मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 69
बुधवार, 17 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मोदी सरकार का नशा मुक्त भारत का संकल्प, अमित शाह बोले- 2047 तक खत्म होगा खतरा

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक द्रव्य निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ कार्रवाई के पैमाने में बदलाव किया जाए ताकि आने वाले दिनों में और अधिक सफलताएँ मिलें।

अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने 2047 में एक महान भारत के निर्माण की संकल्पना प्रस्तुत की। एक ऐसा भारत जो पूर्णतः विकसित होगा। अगर हमें ऐसा भारत बनाना है, तो अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बेहद जरूरी है। क्योंकि किसी भी महान राष्ट्र की संकल्पना, उसकी नींव उस देश की युवा पीढ़ी होती है। अगर हमारी आने वाली पीढ़ियाँ खोखली हो जाएँगी, तो देश भटक जाएगा... दुर्भाग्य से, वे दोनों क्षेत्र जहाँ से दुनिया भर में नशे की आपूर्ति होती है, हमारे नजदीक ही हैं... इसलिए यही समय है कि हम इसके खिलाफ मजबूती से लड़ें। शाह ने कहा कि

तीन तरह के कार्टेल होते हैं, एक वो कार्टेल जो देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर काम करता है, दूसरा वो कार्टेल जो एंट्री पॉइंट से राज्य तक डिस्ट्रीब्यूशन का कार्टेल है और तीसरा वो कार्टेल जो राज्यों में पान की दुकान या गली के नुक्कड़ पर ड्रग्स बेचने तक काम करता है। इन तीनों तरह के कार्टेल्स पर कड़ा प्रहार करने का समय आ गया है। मेरा मानना है कि ऐसा तभी हो सकता है जब यहां बैठे लोग तय कर लें कि ये लड़ाई हमारी लड़ाई है। अमित शाह ने कहा कि भगोड़ों का निर्वासन और प्रत्यर्पण, ये दोनों ही बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं। अब समय आ गया है कि जो लोग विदेश में बैठकर यहाँ नशे का कारोबार कर रहे हैं, उन्हें हमारे कानून के दायरे में लाया जाए। सीबीआई ने इसमें बहुत अच्छा काम किया है। मैं सभी एएंडटीएफ अध्यक्षों से अनुरोध करता हूँ कि वे सीबीआई निदेशक से संपर्क करें और प्रत्यर्पण के लिए एक ऐसी व्यवस्था स्थापित करें, जो न केवल नशे, आतंकवाद, गिरोहों, बल्कि हर चीज के लिए उपयोगी हो।

यह बहुत जरूरी है और जिस तरह प्रत्यर्पण जरूरी है, उसी तरह व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ निर्वासन भी जरूरी है। जिन लोगों को आपने यहाँ जेल में रखा है, वे किसी न किसी तरह से यहाँ से कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में देरी पर सुप्रीम कोर्ट खफा, 2026 तक कराएं मतदान

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को राज्य में 31 जनवरी, 2026 तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा, शीर्ष अदालत ने राज्य के अधिकारियों को 10 अक्टूबर तक परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पारित किया। शीर्ष अदालत ने राज्य चुनाव आयोग पर 6 मई को स्थानीय निकाय चुनावों की घोषणा चार सप्ताह के भीतर करने और चार महीने के भीतर चुनाव कराने के स्पष्ट आदेश के बावजूद तुरंत कार्रवाई न करने के लिए असंतोष व्यक्त किया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने महाराष्ट्र सरकार से पूछा, क्या चुनाव पहले ही हो चुके हैं? उन्होंने मई के उस आदेश का हवाला दिया जिसमें चार महीने के भीतर चुनाव कराने का आदेश दिया गया था।

महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने कहा कि प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि परिसीमन पूरा हो चुका है और राज्य चुनाव आयोग कुछ अतिरिक्त समय मांग रहा है, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में एक अंतरिम आवेदन भी दायर किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सवाल किया, हम आपको जनवरी तक का समय क्यों दें? एक अन्य वकील ने बताया कि 29 नगर निगम हैं और पहली बार एक साथ चुनाव हो रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आपकी निष्क्रियता अक्षमता दशार्ती है... कृपया मौखिक रूप से कारण स्पष्ट करें।

वकील ने आगे कहा कि उनके पास वर्तमान में 65,000 ईवीएम मशीनें हैं और उन्हें 50,000 और मशीनों की आवश्यकता है, जिसके लिए ऑर्डर पहले ही दिए जा चुके हैं।

न्यायालय ने अब महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव कराने के लिए एक नई समय सीमा निर्धारित करते हुए एक अतिरिक्त विस्तार की अनुमति दे दी है, तथा कहा है कि अब और विस्तार नहीं दिया जाएगा।

शराब घोटाले में ईडी का बड़ा दांव, पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे पर 7000 पेज का आरोपपत्र

छत्तीसगढ़, 16 सितम्बर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाले के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के खिलाफ 7,000 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपपत्र दाखिल होने के साथ ही चैतन्य की न्यायिक हिरासत आज समाप्त हो गई और उन्हें अदालत में पेश किया गया। चैतन्य को 18 जुलाई को उनके जन्मदिन के दिन भिलाई स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था और तब से वे हिरासत में हैं। ईडी के अनुसार, चैतन्य बघेल पर 2019 से 2022 के बीच भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए

कथित 2,160 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से प्राप्त धन का ﴾प्राप्तकर्ता﴿ होने का संदेह है। एजेंसी का आरोप है कि उन्हें घोटाले की आय से 16.70 करोड़ रुपये मिले, जिसे उन्होंने अपनी रियल एस्टेट परियोजनाओं में निवेश किया। इस बीच, आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने भी प्रोडक्शन वारंट जारी कर उन्हें हिरासत में लेने और पूछताछ के लिए सात दिन की रिमांड की मांग की है। विशेष अदालत ने मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है और सुनवाई मंगलवार को होगी। इसके अलावा, चैतन्य की गिरफ्तारी के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर याचिका पर 19 सितंबर को सुनवाई होनी है। यह गिरफ्तारी जुलाई में केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की गई छापेमारी के बाद हुई। ईडी के अनुसार, मामले में नए सबूत मिलने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई। चैतन्य बघेल को आगे की पूछताछ के लिए अदालत से ईडी कार्यालय ले जाया जाएगा। इससे पहले मार्च में एजेंसी ने उनसे जुड़े कई परिसरों पर छापे मारे थे और करीब 30 लाख रुपये नकद, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज जब्त किए थे।

टैरिफ तनाव के बीच भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता फिर शुरू

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। हफ़्तों से बढ़ते तनाव के बाद, भारत और अमेरिका आज नई दिल्ली में बातचीत की मेज पर लौट आए हैं और दोनों देशों के बीच ताजा व्यापार वार्ता शुरू हो गई है। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच लंबे समय से लंबित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा करने के लिए कल देर रात पहुँचे।

इसमें निर्यातकों के लिए अनिश्चितता पैदा करने वाले भारी शुल्कों के मद्देनजर मुद्दों को सुलझाने के प्रयास किए जाएंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच अमेरिकी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि

वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल भारत के मुख्य वातार्कार हैं।

लिंच अपने भारतीय समकक्ष के साथ एक दिवसीय वार्ता के लिए सोमवार देर रात भारत पहुंचे। रूसी कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत शुल्क और 25 प्रतिशत अतिरिक्त जुमार्ना लगाए जाने के बाद किसी उच्च पदस्थ अमेरिकी व्यापार अधिकारी की यह पहली यात्रा है। अधिकारी ने कहा, ह्यव्यापार वार्ता शुरू हो गई है ।ह्ण भारत ने 50 प्रतिशत के भारी शुल्क को अनुचित बताया है।

फरवरी में, दोनों देशों के नेताओं ने अधिकारियों को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत करने का निर्देश दिया था। समझौते के पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु तक पूरा करने की योजना थी। अब तक पांच दौर की वार्ता हो चुकी है और छठे दौर की वार्ता, जो 25-29 अगस्त तक होनी थी, उच्च आयात शुल्क लगाए जाने के बाद स्थगित कर दी गई थी।

वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लिंच और भारतीय अधिकारियों के बीच बैठक को छठे दौर की वार्ता के रूप में नहीं, बल्कि उससे पहले की बातचीत के रूप में देखा जाना चाहिए। अधिकारी ने यह भी कहा कि भारत और अमेरिका साप्ताहिक आधार पर वर्चुअल माध्यम से चर्चा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन पर गर्मजोशी से प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। इसके कुछ दिन बात यह बातचीत हो रही है। रूस से कच्चे तेल की खरीद का बचाव करते हुए भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है। सरकार ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि वह सभी व्यापार समझौतों में अपने किसानों, डेयरी उत्पादकों और एमएसएमई के हितों की रक्षा करेगी।

काशी में मातृशक्तियों की एकता, राष्ट्रगीत और वंदेमातरम से गूंजा माधव सेवा प्रकल्प

राष्ट्र सेविका समिति के 90 वर्षों की सेवा को नमन, राष्ट्रभक्ति से सराबोर हुआ परिसर

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की धरती पर सोमवार को मातृशक्ति की अद्भुत एकता और राष्ट्रभक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला। राष्ट्र सेविका समिति, काशी विभाग द्वारा आयोजित सामूहिक राष्ट्रगीत और वंदेमातरम्‌ का भव्य आयोजन माधव सेवा प्रकल्प, लोहता (चांदपुर) परिसर में अत्यंत गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता, समिति की अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख डा. शरद रेणु दीदी ने कहा, गीत की रचना मां भारती के स्वरूप को प्रत्येक भारतीय के

हृदय में देवी रूप में स्थापित प्राणशक्ति है। भारत के घरों में राम और कृष्ण तब तक हैं, जब तक भारत राष्ट्र है।ह्व उन्होंने सेविकाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और देश सेवा को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य बताया। समिति की 90 वर्षों की सतत राष्ट्र सेवा को याद करते हुए सेविकाओं ने इसे आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया। गणवेशधारी सेविका बहनों ने जब एक स्वर में राष्ट्रगीत और वंदेमातरम्‌ का गायन किया तो पूरा वातावरण देशभक्ति से गूंज उठा। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती वंदना जी, निदेशक अतुलानंद शिक्षा समूह ने की। इस अवसर पर क्षेत्र प्रचारिक शशि बघेल दीदी, प्रान्त कार्यवाहिका श्रीमती माया दीदी, विभाग कार्यवाहिका श्रीमती अंजू दीदी सहित बड़ी संख्या में सेविका बहनें उपस्थित रहीं।

सुप्रीम कोर्ट से महेश राउत को राहत, चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एल्गार परिषद-भीमा कोरेगांव मामले के आरोपी महेश राउत को चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत दे दी। यह आदेश न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने राउत की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया जिसमें उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दिए।

सूचना

विश्वकर्मा पूजा के शुभ अवसर पर दिनांक 17-9-2025 को उत्तरशक्ति प्रेस एवं कार्यालय बंद रहेगा अगला अंक दिनांक 19-9-2025 को प्रकाशित होगा।

-संपादक

नरेंद्र मोदी के 75वें जन्म दिन- 17 सितम्बर, 2025

नरेन्द्र मोदी युगांतरकारी नेतृत्व के प्रतीक महामानव

नरेंद्र मोदी आज केवल भारत के प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व भारतीय लोकतंत्र की गौरवगाथा को नई ऊँचाइयों तक ले गया है। साधारण परिवार में जन्मा एक बालक, जिसने जीवन के संघर्षों को तपस्या की तरह जिया, आज विश्व राजनीति ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता का मार्गदर्शक बन गया है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि व्यक्ति में अटूट परिश्रम, कर्मनिष्ठा और राष्ट्रनिष्ठा का अदम्य संकल्प हो, तो वह इतिहास की धारा को भी मोड़ सकता है। नरेंद्र मोदी का उदय किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह भारत की जाग्रत चेतना और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इक्कीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची हैं, वे विश्व राजनीति, मानवता एवं राष्ट्रीयता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। राजनीति-क्रांति के साथ-साथ वे व्यक्ति-क्रांति एवं समाज-क्रांति के सूत्रधार है। उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करना उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाता है। उनके लिये तो इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय हैं। इस वर्ष उनका 75वां जन्मोत्सव मनाते हुए समूचा राष्ट्र अपूर्व गर्व और गौरव की अनुभूति कर रहा है।

-ललित गर्ग

मोदी का व्यक्तित्व अनेक विलक्षणताओं का समवाय है, वह कठोर परिश्रम और मिशनरी दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण है। उनके दिन और रात का प्रत्येक क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित रहता है। वे चौबीस घंटे भारत के लिए जीते हैं और योजनाओं को केवल कागजों पर नहीं छोड़ते, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारते हैं। उनका मंत्र ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्व केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को नई दिशा देने वाला दर्शन है। उन्होंने राजनीति को सत्ता की होड़ से निकालकर सेवा और राष्ट्रनिर्माण का साधन बना दिया। काल के अनंत प्रवाह में 75 वर्षों का मूल्य बहुत नगण्य होता है, पर मोदी ने उद्देश्यपूर्ण जीवन जीकर जो ऊंचाइयां और उपलब्धियां हासिल की हैं, वे किसी कल्पना की उड़ान से भी अधिक है। अपने जीवन के सार्थक प्रयत्नों से उन्होंने इस बात को सिद्ध किया है कि साधारण पुरुष वातावरण से बनते हैं, किन्तु महामानव वातावरण बनाते हैं। समय और परिस्थितियां उनका निर्माण नहीं करती, वे स्वयं समय और परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। साधारण पुरुष जहां अवसर को खोजते रहते हैं, वहां महापुरुष नगण्य अवसरों को भी अपने कर्तृत्व की छेनी से तराश कर महान् बना देते हैं।

नरेन्द्र मोदी का जन्म एवं पालन-पोषण वडनगर, बॉम्बे राज्य (वर्तमान गुजरात) में 17 सितंबर 1950 को हुआ। जहाँ उन्होंने अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। आठ साल की उम्र में उनका आरएसएस से परिचय हुआ और वे 1971 में गुजरात में संगठन के पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए। और 1998 में महासचिव बने। वे भारतीय राजनीति के जुझारू, कर्मठ एवं जीवट वाले नेता हैं जो 2014 से भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और वाराणसी से सांसद हैं। इस वर्ष अपने 75वें जन्मदिन पर मोदी मध्य प्रदेश के धार जिले के भैंसोला गांव में रहेंगे। इस दिन प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड एपेरल पार्क का भूमि पूजन करेंगे। कपास आधारित उद्योगों पर आधारित यह पार्क 6 लाख किसानों को फायदा देगा। इसके अलावा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ करेंगे, इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर उनकी पहुंच को बेहतर करना, गुणवत्तापूर्वक देखभाल और जागरूकता सुनिश्चित करना है। इसके अलावा महिलाओं के लिए कई अन्य योजनाओं की भी शुरूआत होगी।

मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिन उपलब्धियों को हासिल किया है, वे युगांतरकारी कही जा सकती हैं। आर्थिक क्षेत्र में जीएसटी, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को नई गति दी। सामाजिक क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, जन धन योजना, आयुष्मान भारत जैसी पहल ने करोड़ों गरीबों को सम्मानजनक जीवन का आधार दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने भारत की नई आक्रामक और निर्णायक छवि प्रस्तुत की। इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि मोदी ने भारतीय समाज में आत्मविश्वास का संचार किया और यह भावना मजबूत की कि भारत अब किसी से पीछे नहीं रहेगा। वैश्विक मंच पर नरेंद्र मोदी ने भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में उनके विचार, जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता, कोप-26 जैसे पर्यावरण मंचों पर उनकी स्पष्ट प्रतिबद्धता, विश्व को यह संदेश देती है कि भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र है। कोविड महामारी के दौरान वैक्सीन मैत्री योजना ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अपनी सीमाओं से परे जाकर पूरी मानवता के लिए सोचता है। यही कारण है कि आज भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभाने वाला देश माना जाने लगा है और नरेंद्र मोदी इस नई पहचान के प्रेरक बने हैं।

मेरे लिए भी नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व केवल दूर से देखने का विषय नहीं रहा, बल्कि उनके साथ जुड़े अनेक आत्मीय अनुभव आज भी मेरे जीवन की स्मृतियों में ताजा है। वर्ष 2007 में जब मैं सुखी परिवार फाउंडेशन के महामंत्री के रूप में कार्य कर रहा था, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में एक विशाल आदिवासी सम्मेलन गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में हमने आयोजित किया था। उस सम्मेलन में नरेंद्र मोदी स्वयं पधारे थे। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे और कार्यक्रम में उपस्थित आदिवासी समाज की ऊर्जा और उत्साह के बीच गणि राजेन्द्र विजयजी ने बड़ी आत्मीयता से उनको कहा था-ह्लअब आप दिल्ली चलो ह्व गणिजी का यह वाक्य केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी धर्मगुरु की अंतरदृष्टि थी, जो बाद में सार्थक भी हुई। गणि राजेंद्र विजयजी के प्रभाव से उस सम्मेलन में करीब डेढ़ लाख आदिवासी एकत्र हुए थे और मोदीजी ने उस सम्मेलन को जिस संवेदनशीलता और गंभीरता से संबोधित किया, वह उनकी लोकमंगलकारी दृष्टि और आदिवासी समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण था। मेरे लिए यह केवल एक व्यक्तिगत संस्मरण नहीं, बल्कि इस बात का साक्षात अनुभव है कि मोदीजी किस तरह जीवन के हर स्तर पर मिलने वाले लोगों और परिस्थितियों को दूरगामी दृष्टि से देखते हैं और उनमें राष्ट्र निर्माण की संभावनाएँ खोजते हैं।

मोदीजी के व्यक्तित्व का एक बड़ा पक्ष मानवीय संवेदनाओं से भरा हुआ है। चाहे गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराना हो, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाना हो, बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना हो या स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ आम जन तक पहुँचाना हो, मोदी का हर कदम जीवन को सरल और सम्मानजनक बनाने पर केंद्रित है। वे न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत पर चलते हुए प्रशासन को अधिक सक्षम और प्रभावी बनाते हैं। उनका नेतृत्व केवल आधुनिकता और विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। उनके प्रयासों से योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली और 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय हुआ। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम और केदारनाथ धाम का पुनरुद्धार उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और आस्था के प्रति गहरे सम्मान को प्रकट करता है। इस प्रकार वे आधुनिक भारत और प्राचीन भारत की आत्मा के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं।

आज नरेंद्र मोदी का नाम विश्व के शीर्ष नेताओं में गिना जाता है। टाइम और फोर्ब्स जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ उन्हें दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल करती हैं। अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान जैसे देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनके व्यक्तिगत रिश्ते भारत की कूटनीति को नई ऊँचाइयों तक ले गए हैं। आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, शांति और विकास जैसे मुद्दों पर उनकी स्पष्ट और निर्णायक आवाज आज पूरी दुनिया सुनती है। उनका 75वां जन्मोत्सव केवल एक व्यक्ति के जीवन का उत्सव नहीं है, बल्कि उस युगांतरकारी यात्रा का प्रतीक है जिसने भारत को नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर किया है। वे उस नेतृत्व के धनी हैं जिसने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। कठोर परिश्रम, राष्ट्रनिष्ठा और मिशनरी दृष्टि से ओतप्रोत नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति का ही नहीं, विश्व राजनीति का भी स्वर्णिम अध्याय हैं। आने वाला समय इस बात का साक्षी बनेगा कि उनका नेतृत्व न केवल एक नए भारत का निर्माण करेगा, बल्कि विश्व को भी शांति, सहयोग और विकास का नया मार्ग दिखाएगा।

त्योहारी सीजन में बढ़ती महंगाई की मार

अशोक भाटिया

त्योहारी सीजन के करीब आते ही महंगाई की मार का असर एक बार फिर लोगों की थाली में देखने को मिलने लगा है। खुदरा महंगाई जो पिछले नौ महीने से गिर रही है और लोग खुद राहत महसूस कर रहे थे, लेकिन अगस्त में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 1.61 फीसदी हो गई है, जो मामूली लग सकती है, लेकिन महंगाई को देखते हुए यह बहुत ज्यादा है, जिससे लोग इस समय जूझ रहे हैं। आमतौर पर हरी सब्जियों और मछली और अंडे जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण महंगाई की दर बढ़ी है। यह लगातार कम हो रहा था। लेकिन अगस्त 2025 में इसमें अचानक वृद्धि हुई। इसके कारण, निश्चित रूप से, किफायती हैं। आर्थिक निष्कर्ष यह है कि यह वृद्धि पिछले उच्च आधार प्रभाव के प्रभाव में कमी के कारण है, लेकिन आम आदमी के संदर्भ में, लोगों को पहले ही मुद्रास्फीति से मिटा दिया गया है, जो पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष मूल्य परिवर्तन का आधार प्रभाव है, जो मुद्रास्फीति का बेंचमार्क है जिसे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर रखने के लिए निर्धारित किया था। मुद्रास्फीति की दर आम तौर पर नियंत्रण में होती है। लेकिन जनता को इस विश्लेषण की आदत नहीं है और मुद्रास्फीति के कारण में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे इस बात में रुचि रखते हैं कि मुद्रास्फीति कितनी है और क्या सस्ती है और कौन सी महंगी है। इस लिहाज से यह दर निश्चित रूप से चिंताजनक है। इस साल बारिश के कारण कई फसलें सड़ गई हैं, और कई फसलें आने की संभावना नहीं है। ऐसे में खाद्य महंगाई कुछ हद तक बढ़ गई है। यह मोदी सरकार के लिए गर्व की बात नहीं है। क्योंकि मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा दिया था और सत्ता में आते ही लोगों को राहत मिली थी।

बताया जाता है कि एक ओर जहां लहसुन, प्याज सहित सब्जियों की कीमतों में उछाल ने लोगों के थाली का स्वाद फीका कर दिया है, तो वहीं रही-सही कसर दाल, तेल सहित जीरा और गोल मिर्च की कीमतों में जबर्दस्त उछाल ने पूरी कर दी है। ऐसे में लोगों की थालियों से सब्जियों के बाद दाल के साथ जीरे से होनेवाली उसकी छौंक भी गायब होने लगी है। अब इसके चलते पहले से ही आर्थिक विवशता का सामना कर रहे आम लोगों को महंगाई की अब और जबर्दस्त मार झेलनी पड़ रही है। खासकर इससे मध्यवर्गीय और कम आमदनी वाले लोगों की हालत पतली हो गयी और उनके घर के रसोई का बजट भी पूरी तरह बिगड़ने लगा है। यानी पहले जहां सात से आठ सदस्य वाले परिवारों को दूध, किचन का सामान और सब्जियों में हर माह जहां 12 हजार के आसपास खर्च होता था, वह खर्च बढ़कर अब 15 हजार या उससे अधिक पहुंच गया है। हर वस्तुओं में बढ़े महंगाई के चलते इसी तरह से तीन से चार सदस्य वालों के खर्च भी पहले की तुलना में बढ़ गया है। आटा, चावल, दूध, टमाटर, हरी मिर्च, सब्जियों से लेकर धनिया और जीरा गोलमिर्च तक महंगा हो गया है। जिस तरह सामानों की कीमतों में इजाफा हुआ, उस अनुसार लोगों की आमद नहीं हो रही है, ऐसे में गरीब मध्यम वर्गीय तबके के लोगों की हालत खराब हो गयी है। क्योंकि, खाने-पीने की वस्तुओं की बढ़ी कीमतें कम होने का नाम नहीं ले रही है और आर्थिक परेशानी की मार झेल रहे लोगों के सिर पर महंगाई के साथ साथ कर्ज का भी बोझ बढ़ रहा है। बाजार में मसाले के साथ महंगा हुआ आटा व चावल इधर, बरसात के लगातार होने के कारण भी बाजार में खाद्य सामग्रियों की कीमत बढ़ने लगी है।

उदाहरणस्वरूप जो कृष्णा चावल 28 रुपये प्रति किलोग्राम था, वह अब बढ़कर 36 से 38 रुपये किलोग्राम, अरवा चावल 34 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 38 रुपये किलोग्राम, आटा 30 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 35 से 36 रुपये किलोग्राम और चीनी 42 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 46 रुपये किलोग्राम हो गया है। जबकि, अरहर दाल 180 रुपये किलो और चने की दाल 100 रुपये प्रतिकिलो तक जा पहुंचा है। महंगाई में रुला रही प्याज और लहसुन की कीमत घर चलाने में आ रही परेशानी के बीच कीमत में हुए बेतहाशा वृद्धि के चलते एक बार फिर से प्याज और लहसुन लोगों की रसोई से दूर होने लगा है। जिले सहित शहरों में प्याज के भाव 80 से 90 रुपये प्रति किलो और लहसुन 400 रुपये किलो तक पहुंच गया हैं। एक तो पहले से ही परेशान आम जनता को दाल तेल के साथ सब्जियों की महंगाई ने भी करारा झटका दिया है। प्याज व लहसुन के साथ अन्य सब्जियों के दाम भी आसमान छू रहे हैं। बाजार में स्थिति यह है कि एक-दो सब्जियों को छोड़ कर बाकी कोई भी सब्जी 40 रुपये पाव से नीचे नहीं मिल रहीं। इससे भी आम आदमी के रसोई का बजट बिगड़ गया है और दाल में प्याज का तड़का लगाना मुश्किल हो गया है। इस बीच कई दुकानदारों ने बढ़े दामों की वजह से अपने यहां प्याज और लहसुन की बिक्री भी बंद कर दी है। बाजार में कीमतें तय होना जरूरी दरअसल, खाद्य पदार्थ के दामों में वृद्धि के कारण आम लोगों का बजट बिगड़ जा रहा है। खासकर महंगाई के कारण मध्यम वर्ग के लोगों का हाल बेहाल है। खाद्य पदार्थ के दामों में प्रति किलो लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण जनजीवन आम लोगों का अत्यधिक प्रभावित हो रहा है। आटा, मैदा, दाल, चावल, दही आदि दैनिक जीवन में प्रतिदिन उपयोग होने वाले खाद्य पदार्थों पर बढ़ाये जा रहे दाम की मार से आम लोग परेशान हैं और खाद्य पदार्थ महंगी होने के कारण ज्यादा जेब ढीली हो रही है। दुकानदार बताते हैं कि दाम बढ़ने के कारण खाद्य पदार्थ की बिक्री में भी कमी आयी है। महंगाई के कारण आम लोगों के साथ दुकानदार के रोजगार पर भी असर पड़ रहा है। सरकार के दाल-रोटी पर भी महंगाई का असर देखने को मिल रहा है। महंगाई बढ़ जाने के कारण आम लोगों का रसोई का बजट संतुलित करने में पसीने छूट रहे है। इधर इस बढ़ी महंगाई से गृहणियां, आम लोग और व्यापारी नाराज हैं। उनका कहना था कि प्रशासन की ओर से रेगुलर जांच नहीं होने के चलते थोक व्यवसायी आये दिन किसी ना किसी खाद्य पदार्थ का दाम बढ़ा दे रहे है। इससे लोगों की तो जेबें कट ही रही है, खुदरा व्यवसायियों को भी दाम के दाम सामान बेचना पड़ रहा है, ताकि अधिक दाम वसूलने की शिकायत पर ग्राहक भड़क ना जाये।

गौरतलब है कि कांग्रेस के शासनकाल में महंगाई ने जो कहर बरपाया था और साधारण चीजें लोगों की पहुंच से बाहर हो गई थीं। मोदी सरकार के सत्ता में आते ही लोगों को यकीन हो गया था कि 'अच्छे दिन' आ गए हैं, लेकिन महंगाई की दर अचानक बढ़ने से लोग परेशान हैं, भले ही वह मामूली ही क्यों न हो। इसमें कोई संदेह नहीं है कि राहुल गांधी जैसे विपक्षी नेता और शिवसेना के नेता इसका फायदा उठाएंगे। देखा गया है कि बाजार में पैसे की अधिकता के कारण महंगाई बढ़ती है और पैसे कम होने से बढ़ती है। यदि बाजार में अधिक पैसा है, तो लोग जो चाहते हैं उसे पूछी गई कीमत पर खरीदते हैं, और परिणामस्वरूप, मुद्रास्फीति बढ़ जाती है। मोदी सरकार महंगाई को लेकर पारदर्शी है और उसने आंकड़ों को छिपाया नहीं है। यह कांग्रेस के शासनकाल में किया गया था। कांग्रेस का यह आरोप कि पिछले दस वर्षों में सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई में लगातार वृद्धि हुई है, यह लोगों के गुस्से में क्यों नहीं व्यक्त किया जा रहा है क्योंकि कांग्रेस झूठ बोल रही है? अगर लोग महंगाई से पीड़ित होते तो मोदी सरकार गिर सकती थी, लेकिन लोग खुश हैं, लेकिन यह तय है कि त्योहारों का मौसम है और लोगों को महंगाई का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। विशेष रूप से सब्जियों और अंडों की कीमतों में वृद्धि असहनीय है, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि मोदी सरकार इसका समाधान निकाल लेगी, लेकिन यह वृद्धि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में लगातार नौ महीनों की गिरावट के बाद आई है, जिसके परिणामस्वरूप त्योहारी सीजन के दौरान कई वस्तुओं, विशेष रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। महंगाई बढ़ने पर विपक्ष सरकार पर बमबारी करने का आदी हो गया है।

दरअसल यह तो स्पष्ट है कि महंगाई सरकार की गलत नीति की वजह से नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुद्रास्फीति उपभोक्ताओं के लिए वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि कर सकती है, विशेष रूप से खाद्य कीमतें। यह प्रभाव बहुत नकारात्मक है और यह अधिक घातक है। 1996 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्याज की कीमतें बढ़ गई थीं और सुषमा स्वराज सरकार ने खुद को बलिदान ले लिया था। अब ऐसा नहीं होगा लेकिन मोदी सरकार को एक छोटा सा जोखिम लेने के लिए भी तैयार नहीं होना चाहिए। क्योंकि भले ही यह खुदरा मुद्रास्फीति रिजर्व बैंक की नीति में बदलाव न करे, लेकिन इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि लोग महंगाई से पीड़ित हैं। इसलिए सरकार को आम लोगों को महंगाई के खिलाफ राहत देने के बारे में सोचना चाहिए। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव मुद्रास्फीति पर महसूस किया जाता है और यह लोग हैं जो सबसे अधिक पीड़ित हैं। उपभोक्ताओं को किसी विशेष वस्तु के लिए उच्च कीमतों का सामना करना पड़ेगा। जिसे कैस्केडिंग इफेक्ट कहा जाता है वह यह है कि इस मूल्य वृद्धि से अन्य वस्तुओं की कीमत पर भी असर पड़ेगा और उपभोक्ताओं को इसके लिए अधिक भुगतान करना पड़ेगा। हालांकि यह आरबीआई के चार प्रतिशत के लक्ष्य से कम है, लेकिन त्योहारी सीजन के दौरान खाद्य और सब्जियों की कीमतों में वृद्धि चिंताजनक है। संक्षेप में, सरकार को इसका कोई तत्काल समाधान खोजने की जरूरत है। अब जब कोई बड़ा चुनाव नहीं है, तो सरकार को लोगों के कल्याण के लिए काम करना चाहिए और लोगों को यह देखना चाहिए। उम्मीद है कि मोदी सरकार उसी के अनुसार काम करेगी। कोई भी सरकार हमेशा लोगों के रडार पर होती है और उसी के अनुसार मोदी सरकार होगी। लेकिन मोदी सरकार को सावधान रहना चाहिए कि ऐसा न होने दें। क्योंकि मोदी ने अच्छे दिन लाने का वादा किया था। उन्हें इसे ध्यान में रखने की जरूरत है।

जन्मदिन पर विशेष-75 साल में साधारण से असाधारण बने नरेन्द्र मोदी

-अजय कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी पचहत्तर वर्ष के हो गये हैं। यह अवसर केवल उनके जीवन की एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति के एक अहम अध्याय का प्रतीक भी है। मोदी का जीवन असाधारण संघर्ष, धैर्य और राजनीति में उत्थान का उदाहरण माना जाता है। बचपन में एक छोटे नगर के स्टेशन पर चाय बेचने वाले लड़के से देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचने की उनकी यात्रा ने करोड़ों लोगों को प्रभावित किया है। नरेन्द्र मोदी का जन्म 17 सितम्बर 1950 को गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर नगर में हुआ। उनका परिवार आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न नहीं था। उनके पिता दामोदरदास मोदी रेलवे स्टेशन पर चाय बेचते थे और उसी काम में बचपन से नरेन्द्र मोदी भी हाथ बँटाते थे। शिक्षा के दौरान भी उन्होंने अनेक कठिनाइयों का सामना किया। सीमित संसाधनों के बावजूद उनके भीतर आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति बनी रही। किशोरावस्था में ही मोदी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से परिचय मिला। वहीं से राष्ट्रभक्ति, संगठन और अनुशासन के संस्कार उनके भीतर गहरे पैठे। यही संस्कार आगे चलकर उनके राजनीतिक जीवन की नींव बने।

नरेन्द्र मोदी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत भारतीय जनता पार्टी के संगठन कार्य से की। वे चुनाव अभियान चलाने, पार्टी के विस्तार और संगठन खड़ा करने में निपुण समझे जाते थे। गुजरात में पार्टी को मजबूत बनाने में उनका बड़ा योगदान रहा। 1990 के दशक में वे राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाने लगे और संगठन में विभिन्न दायित्व निभाते रहे। 2001 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल के अस्वस्थ होने पर पार्टी ने नरेन्द्र मोदी को राज्य की कमान सौंपी। यही से उनकी राजनीतिक यात्रा ने असली मोड़ लिया। मुख्यमंत्री बनने के बाद मोदी ने गुजरात में प्रशासन को सुदृढ़ करने, उद्योग को प्रोत्साहन देने तथा आधारभूत ढाँचे पर बल देने का काम किया। उनके समर्थक मानते हैं कि गुजरात में उनका शासनकाल विकास उन्मुख रहा और राज्य में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बना। किन्तु 2002 में गुजरात में भयानक दंगे हुए, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए। यह घटना नरेन्द्र मोदी से जीवनपर्यंत जुड़ा एक गम्भीर विवाद बन गई। आलोचक मानते रहे कि दंगों को रोकने में प्रशासन विफल रहा, जबकि उनके समर्थक तर्क देते हैं कि मोदी ने शांति बहाल करने के लिए तत्परता से कदम उठाए। यह विवाद आज भी भारतीय राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है और उनका नाम इस प्रकरण से अनिवार्यतः जोड़ा जाता है।

2013 में भारतीय जनता पार्टी ने नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया। उनका अभियान मजबूत नेतृत्व और तेज विकास पर केंद्रित था। देशवासी उस दौर में आर्थिक ठहराव और भ्रष्टाचार से त्रस्त थे। मोदी ने जनता में यह विश्वास जगाया कि वे व्यवस्था बदल सकते हैं। 2014 के आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक बहुमत मिला और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने। भारत ने तीन दशकों बाद पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार देखी। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने स्वयं को केवल प्रशासक भर नहीं, बल्कि जनसंपर्क में दक्ष नेता के रूप में प्रस्तुत किया। उनके कार्यकाल में अनेक योजनाएँ लागू की गईं, जिनमें गरीबों के लिए आवास, शौचालय निर्माण, उज्ज्वला योजना से गरीब परिवारों को रसोई गैस का जोड़ना, जनधन योजना के जरिये खातों का विस्तार और डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहन शामिल है। विदेश नीति में भी मोदी ने सक्रियता दिखाई। उन्होंने विश्व के अनेक देशों की यात्राएँ कीं और भारत की छवि को नये ढंग से प्रस्तुत किया। वे प्रवासी भारतीयों से संवाद करके उन्हें भी भारतीय विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास करते रहे।

जहाँ मोदी ने व्यापक जनसमर्थन पाया, वहीं उनके कार्यकाल में कई विवाद भी उभरे। विमुद्रीकरण का निर्णय, जो 2016 में लिया गया, को उन्होंने काले धन और जालसाजी रोकने का कदम बताया, किन्तु इसके कारण आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। नोटबंदी के परिणामों पर आज भी मतभेद बने हुए हैं। इसके अतिरिक्त कृषि सुधार से जुड़े नये नियमों पर देशभर में किसानों ने विरोध प्रदर्शन किए। अंततः सरकार को वे नियम वापस लेने पड़े। इस प्रसंग ने मोदी सरकार को गम्भीर राजनीतिक चुनौतियों का सामना कराया। नागरिकता संशोधन संबंधी विधेयक और अनुच्छेद 370 हटाने का निर्णय भी बहस का कारण बने। समर्थक मानते हैं कि इन कदमों से राष्ट्र की एकता और सुरक्षा सुदृढ़ हुई, जबकि आलोचक इसे लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए खतरा मानते रहे विवादों के बावजूद नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता कभी पूरी तरह कम नहीं हुई। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जनता से संवाद स्थापित करने की अनूठी क्षमता रखते हैं। नियमित रूप से वे अपने विचार साझा करने के लिए ह्यमन की बातह्न जैसे कार्यक्रम का सहारा लेते हैं। सोशल माध्यमों पर भी उनकी सक्रियता उन्हें नई पीढ़ी से जोड़ती है। उनकी छवि एक ऐसे नेता की बनी है जो कठिन निर्णय लेने से नहीं झिझकते। उनके समर्थक उन्हें देश को आत्मनिर्भर बनाने वाला नायक बताते हैं, जबकि आलोचक उन्हें केंद्रीकृत सत्ता का प्रतीक मानते हैं।

कुल मिलाकर नरेन्द्र मोदी का पचहत्तर वर्ष का जीवन भारतीय राजनीति की उस यात्रा का प्रतीक है जिसमें संघर्ष, कठिनाइयाँ, सफलता और विवाद सब कुछ समाहित है। वे निश्चय ही इस बात के उदाहरण हैं कि साधारण पृष्ठभूमि का व्यक्ति भी दृढ़ संकल्प, परिश्रम और संघटन क्षमता के बल पर देश की सर्वोच्च कुर्सी तक पहुँच सकता है। उनका योगदान देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज सभी को गहराई से प्रभावित करता रहा है। लेकिन उनके नाम से जुड़े विवाद यह भी दर्शाते हैं कि राजनीति केवल उपलब्धियों का नहीं, बल्कि निरंतर प्रश्नों और आलोचनाओं का भी मंच है। यह कहना अतिशियोक्ति नहीं होगी कि भारत के समकालीन इतिहास में नरेन्द्र मोदी का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। उनके समर्थक और आलोचक भले ही अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हों, लेकिन यह निर्विवाद है कि मोदी ने राजनीति की दिशा और स्वरूप को बदल डाला है। पचहत्तर की आयु में भी उनका उत्साह और सक्रियता लाखों लोगों को प्रेरित करती है।

सनातन पर साजिश, सोशल मीडिया के जाल में हिंदू परिवार

-संजय सक्सेना

राहुल एक साधारण सा युवक था, दिल्ली के एक मध्यमवर्गीय हिंदू परिवार से। सुबह उठते ही वह अपने फोन को हाथ में लेता, और सोशल मीडिया की दुनिया में खो जाता। इंस्टाग्राम, यूट्यूब शॉर्ट्स, टिकटॉक ये प्लेटफॉर्म उसके लिए दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुके थे। लेकिन पिछले कुछ महीनों से कुछ अजीब सा हो रहा था। उसके फीड में छोटे-छोटे वीडियो आते, जिनमें हिंदू परिवारों के घरों में झगड़े दिखाए जाते। एक वीडियो में एक मां अपने बेटे से चिल्ला रही थी, तुम्हारा ये सनातन धर्म क्या बिगाड़ लाया है? रोज मंदिर जाना, पूजा-पाठ, बस झगड़े ही झगड़े! दूसरे में पिता और पुत्र के बीच बहस, जहां पिता कहते, ये पुरानी रस्में अब बोझ बन गई हैं, छोड़ दो इन्हें! ये वीडियो इतने रीयल लगते कि राहुल का दिल बैठ जाता। क्या सच में सनातन धर्म हिंदू घरों को तोड़ रहा था? राहुल ने सोचा, शायद ये संयोग है। लेकिन जैसे-जैसे वीडियो बढ़ते गए, उसे शक होने लगा। एक दिन, उसके चचेरे भाई अजय ने फोन किया। भाई, देखा वो वीडियो? हमारी तरह के परिवार में ही तो हो रहा है। मेरा दोस्त का घर टूट गया, वजह धर्म की रस्में!ॾ राहुल ने वीडियो चेक किया। ये सब एक जैसे थेः 15-30 सेकंड के क्लिप्स, ड्रामेटिक म्यूजिक के साथ, कैप्शन में लिखा ॾसनातन का काला सच परिवार बर्बाद! हैशटैग्स जैसे #HinduFamilyFights, #SanatanCurse ये वीडियो वायरल हो रहे थे, लाखों व्यूज, हजारों शेयर्स। राहुल ने गूगल किया, तो पता चला कि ये ट्रेंड पूरे भारत में फैल रहा है। दक्षिण भारत से उत्तर तक, हर जगह हिंदू परिवारों को निशाना बनाया जा रहा था।

राहुल एक आईटी इंजीनियर था, कोडिंग और डेटा एनालिसिस उसका शौक। उसने फैसला किया, खुद जांच करेगा। सबसे पहले, उसने वीडियोज के मेटाडेटा चेक किया। कई वीडियो एक ही आईपी एड्रेस से अपलोड हो रहे थे, जो विदेशी सर्वर से जुड़े थे। एक वीडियो का बैकग्राउंड चेक किया, तो पाया कि वो स्टॉक फुटेज था अमेरिका के किसी स्टूडियो से लिया गया, लेकिन एडिट करके भारतीय घर जैसा दिखाया गया। आवाजें डब की गई, हिंदी में, लेकिन एक्सेंट गलत। राहुल का शक पक्का हो गया। ये छोटे-छोटे वीडियो कोई संयोग नहीं, एक सुनियोजित कैंपेन थे। अब सवाल था, इससे सनातन को कितना नुकसान हो रहा है? राहुल ने अपने दोस्तों से बात की। एक दोस्त ने बताया, ॾमेरा कजिन धर्म छोड़ने की सोच रहा है। कहता है, ये वीडियो देखकर लगता है सनातन ही परिवारों का दुश्मन है। राहुल ने सोशल मीडिया एनालिटिक्स टूल्स का इस्तेमाल किया। आंकड़े चौंकाने वाले थे। इन वीडियोज ने 10 करोड़ से ज्यादा व्यूज जेनरेट किए थे। कमेंट्स में लोग लिख रहे थे हिंदू बनना बंद करो, ये बोझ है! युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही थी। सनातन धर्म, जो सदियों से एकता, शांति और परिवार की नींव पर टिका है, अब सोशल मीडिया पर बदनाम हो रहा था। मंदिरों में आने वाले लोग कम हो रहे थे। परिवारों में बहसें बढ़ रही थीं बुजुर्ग कहते, 'पूजा करो' तो युवा जवाब देते, ये झगड़े ही तो पैदा करता है! आध्यात्मिक विश्वास कमजोर पड़ रहा था। सनातन की मूल भावना 'वसुधैव कुटुंबकम' पर चोट पहुंच रही थी। ये वीडियो न सिर्फ व्यक्तिगत स्तर पर तोड़ रहे थे, बल्कि समुदाय को बांट रहे थे। हिंदू एकता कमजोर हो रही थी, जो किसी भी बाहरी साजिश के लिए खतरा बन सकती थी।

राहुल ने गहराई से खोजा। एक रात, वह डार्क वेब पर पहुंचा वहां एक फोरम मिला, जहां 'ऑपरेशन डिवाइड' नाम का ग्रुप सक्रिय था। ये ग्रुप विदेशी फंडिंग से चल रहा था। सूत्रधार कौन? राहुल को पता चला, ये एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क था इसमें कुछ कट्टरपंथी संगठन शामिल थे, जो भारत को कमजोर करना चाहते थे। मुख्य मास्टरमाइंड एक पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट था, नाम फखर अहमद, जो दुबई से ऑपरेट कर रहा था। उसके साथ कुछ भारतीय 'फ्रीलांसर' थे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जो पैसे के लालच में काम कर रहे थे। ये लोग एआई टूल्स का इस्तेमाल करके वीडियो जनरेट करते। एक स्क्रिप्ट लिखी जाती हिंदू परिवार में सनातन रस्मों पर झगड़ा। फिर डीपफेक टेक्नोलॉजी से चेहरे बदले जाते, भारतीय कपड़े पहनाए जाते। आवाजें वॉयस सिंथेसाइजर से हिंदी में डब की जातीं। ये वीडियो बॉट्स के जरिए वायरल किए जाते फेक अकाउंट्स से लाइक्स, शेयर्स। फंडिंग आती थी विदेशी एनजीओ से, जो 'सेकुलरिज्म' के नाम पर काम करते, लेकिन असल में धार्मिक विभाजन फैलाते।

राहुल ने एक उदाहरण ढूंढा। एक वीडियो में दिखाया गया था, एक ब्राह्मण परिवार में लड़ाई। लेकिन जांच पर पता चला, वो परिवार असली नहीं, बल्कि लॉस एंजिल्स के किसी एक्टर का था। स्क्रिप्ट लिखी गई थी एक भारतीय नाम के फ्रीलांसर ने, जो मुंबई में रहता था लेकिन पैसे के लिए बिक गया। ये साजिश का हिस्सा था सनातन को 'अंधविश्वास' दिखाकर युवाओं को अलग करना। नुकसान गहरा था सनातन की छवि 'प्रगतिशील न होने' वाली बन रही थी। महिलाएं कह रही थीं, ये धर्म हमें दबाता है, जबकि पुरुष ॾये पुरानी परंपराएं बोझ हैं। समुदाय में अविश्वास बढ़ा। मंदिर दान कम हुआ, योग और ध्यान जैसे सनातन के वैज्ञानिक पहलू भुलाए गए। कुल मिलाकर, ये एक सांस्कृतिक हमला था, जो पीढ़ियों को प्रभावित कर सकता था।

राहुल ने फैसला किया, चुप नहीं बैठेगा। उसने अपने दोस्तों एक पत्रकार प्रिया और एक साइबर एक्सपर्ट विक्रम को शामिल किया। टीम बनी। प्रिया ने स्टोरी ब्रेक करने की तैयारी की। विक्रम ने ट्रेसिंग की। एक हफ्ते में, उन्होंने फखर अहमद के सर्वर को हैक कर लिया वहां साबित हो गया, 500 से ज्यादा वीडियो इसी कैंपेन का हिस्सा थे। भारतीय फ्रीलांसरों के नाम भी मिले एक था राजेश शर्मा, जो खुद हिंदू था लेकिन कर्ज चुकाने के लिए बिक गया। दूसरा था नेहा खान, जो मिश्रित बैकग्राउंड से थी और बदले की भावना से काम कर रही। क्लाइमेक्स वह रात था जब राहुल दुबई के एक होटल में घुसा विक्रम की मदद से। फखर अहमद मीटिंग कर रहा था। राहुल ने छिपकर रिकॉर्डिंग की। फखर बोला, ये हिंदू एकता तोड़ दो, तो भारत कमजोर हो जाएगा। सनातन को बदनाम करो, परिवारों को बांटो। राहुल ने वीडियो लीक कर दिया। प्रिया ने न्यूज चैनल पर ब्रेकिंग न्यूज चलाई। सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया। लोग जागे। #रं९ीरंल्लं३ल्ल ट्रेंड करने लगा। असली हिंदू परिवारों ने काउंटर वीडियो बनाए जहां दिखाया, सनातन कैसे एकता सिखाता है।

कहानी का अंत सकारात्मक था। राहुल का परिवार एकत्र हुआ। पिता ने कहा, बेटा, सनातन मजबूत है, ये साजिशें इसे नहीं तोड़ सकतीं। नुकसान हुआ था, लेकिन जागृति भी आई। सूत्रधार पकड़े गए फखर को अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने गिरफ्तार किया। भारतीय फ्रीलांसरों पर मुकदमा चला। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने ऐसे वीडियोज बैन किए। राहुल समझ गया, सनातन का असली हथियार जागरूकता है। छोटे-छोटे वीडियो नुकसान पहुंचा सकते हैं, लेकिन सच्चाई हमेशा जीतती है। सनातन के खिलाफ साजिश का सबसे बड़ा सबूत यही है कि इस तरह की ह्यरीलह्ल में किसी और धर्म के लोगों, उनके परिवार, उनकी पूजा-पद्धति, धर्मगुरुओं और उनके आराध्य के खिलाफ कोई बोलने की हिम्मत नहीं करता है। इसीलिए ह्यधरती चपटी है और सूरज पश्चिम से निकलता हैह्ल कहने वाली कौम पर कोई नहीं बोलता, क्योंकि सर तन से जुदा होने लगता है।

कैबिनेट मंत्री गणेश नाईक के जन्मदिन पर बोईसर में महारक्तदान, स्वास्थ्य शिविर व वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। राज्य के कैबिनेट मंत्री एवं पालघर जिले के पालक मंत्री, विधायक नवी मुंबई गणेश नाईक के 75वें जन्मदिन के अवसर पर सोमवार 15 सितंबर 2025 को बोईसर में सामाजिक सरोकारों से जुड़े कई जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

शिवशक्ति सामाजिक संगठन बोईसर के तत्वावधान में श्रमिक सेना कामगार संगठन और पालघर ऑटो-रिक्शा टैक्सी चालक मालक संगठन के संयुक्त प्रयास से बोईसर शहर पश्चिम के डॉन बास्को स्कूल, खोदाराम बाग परिसर में महारक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसके साथ ही बोईसर रेलवे स्टेशन परिसर में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं संपूर्ण बॉडी चेकअप शिविर के अलावा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित महारक्तदान शिविर में लगभग सौ लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। विशेष बात यह रही कि इस अभियान के माध्यम से संगठन ने बीते 30 वर्षों में 6,600 से अधिक यूनिट रक्तदान का आंकड़ा पार कर समाजसेवा का नया अध्याय लिखा।

इसी कड़ी में, बोईसर रेलवे स्टेशन पर अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने सैकड़ों नागरिकों का मुफ्त संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया। अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से जांच की गई और लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया गया। रक्तदाताओं को अतिथियों के हाथों प्रमाणपत्र भेंट किए गए और उन्हें पौष्टिक आहार एवं जलपान भी उपलब्ध कराया गया। ज्ञात हो कि शिवशक्ति सामाजिक संगठन पिछले कई दशकों से जनकल्याण और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जिसमें लगभग 32 वर्षों से एंबुलेंस व शववाहिनी सेवा, 29 वर्षों से स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर, 21 वर्षों से पालघर-डहाणू तालुका स्पोर्ट्स एसोसिएशन व मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर, 19 वर्षों से महाराष्ट्र स्पोर्ट्स एजुकेशन अकादमी के माध्यम से कलाक्रीड़ा महोत्सव में पिछड़े क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों को मंच, असहाय विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री और खेलकूद सामग्री उपलब्ध कराना, बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना, कामगार संगठन के माध्यम से हजारों मजदूरों को न्याय दिलाना, कोरोना काल में गरीब व जरूरतमंदों को अन्नदान, लोकप्रिय दहीहंडी और भव्य गणेशोत्सव आयोजन इत्यादि सभी कार्य संगठन की निरंतर सेवा और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। उक्त आशय के बारे में जानकारी शिवशक्ति सामाजिक संगठना प्रमुख संजय जे. पाटील ने दी। जिले के पालक मंत्री गणेश नाईक के जन्मदिन के अवसर पर उक्त आयोजन को सफल बनाने में गजानन देशमुख, संजय ना. पाटील, महेंद्र भोणे, मिलिंद वड़े, नापेश संखे, सचिन पिंपले, प्रदीप लोढ़ा, रोहित पाटील, अशोक बाबर, दिनेश पवार, दशरथ सुतार, महेंद्र फरब, संदीप संखे, राजू कुरैशी, सोमनाथ टपरे, इब्बू खान, जयप्रकाश चुरी, विशाल कांकड़, संजय घरत, संजय नरखाडे, आबा जाधव, माधवी भोणे, मंजुला गोवारी, वैशाली बाबर सहित अन्य कार्यकताओं व पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कल्याण में डॉक्टर और फार्मासिस्ट के साथ सत्तर लाख की धोखाधड़ी

◆आरोपी डॉक्टर दम्पति के तलाश में जुटी पुलिस
◆पचास बेड के हॉस्पिटल में मेडिकल स्टोर देने का दिया था लालच

कल्याण। हॉस्पिटल में मेडिकल स्टोर देने के नाम पर कल्याण में एक डॉक्टर और फार्मासिस्ट के साथ सत्तर लाख रुपए की धोखाधड़ी किए जाने का मामला उजागर हुआ है। यह घटना मई 2024 की है। पलासिया बिल्डिंग, हीरानंदानी स्टेट, ठाणे के रहने वाले डा. प्रसाद साली और उनकी पत्नी वैशाली प्रसाद साली ने कल्याण आरटीओ कार्यालय के पास आइकॉन इमारत में पचास बेड का हॉस्पिटल बनाने और उसमें मेडिकल स्टोर देने के नाम पर डा.राहुल दुबे और फार्मासिस्ट श्रीमती प्रज्ञा सौरभ कांबले से 70 लाख रुपए लिए। उस समय डा.प्रसाद ने 3 महीने के भीतर अस्पताल शुरू करने का लालच दिया, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी न हॉस्पिटल शुरू की, और न ही रकम लौटाया।

अस्पताल खोलने के लिए बड़ी रकम की थी जरूरत: डा.राहुल और प्रज्ञा ने बताया कि अस्पताल खोलने के लिए डा.प्रसाद साली को बड़ी रकम की जरूरत थी। इसलिए, उसने मेडिकल स्टोर का झांसा देकर लोगों से बड़ी रकम हासिल कर लिया। उन्होंने बताया कि डा.प्रसाद ने 80 लाख रुपए की डिमांड की थी, लेकिन हमने उनको 70 लाख रुपए चेक से दिए। इस धोखाधड़ी की घटना में कुछ और डॉक्टर, फार्मासिस्ट एवं पैथोलॉजी आदि के फंसने की संभावना जताई जा रही है, जो जांच के बाद ही मामला सामने आएगा। **एग्रीमेंट के बाद भी नहीं लौटाई रकम:** प्रज्ञा कांबले और डा.राहुल दुबे ने बताया कि आरोपी डा.प्रसाद के साथ बकायदे एग्रीमेंट हुआ था। लेकिन एग्रीमेंट करार के बाद भी उसने पैसा नहीं लौटाया, बल्कि टालमटोल करता रहा। फिलहाल इस मामले में कल्याण की खड़कपाड़ा पुलिस ने ठाणे हीरानंदानी स्टेट के रहने वाले डा.प्रसाद साली और उनकी पत्नी वैशाली प्रसाद साली के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आरोपी दम्पति की तलाश कर रही है।

महिलाओं से छलकपट करने वाला शिक्षक गिरफ्तार

डोंबिवली। उल्हासनगर के हिंदी हाईस्कूल के शिक्षक-शिक्षिका का किस्सा चौंकाने वाला है। जानकारी के अनुसार, स्कूल के शिक्षक राहुल त्रिभुवननाथ तिवारी (32) और एक शिक्षिका के बीच साल 2013 से प्रेम संबंध थे। 2015 में शिक्षिका को एक बच्चे को जन्म दिया और साथ ही राहुल का बेटा बताया। लगभग 11 साल तक यह प्रेम कहानी चोरी-छुपे चलती रही।

इसी बीच साल 2016 में राहुल ने किसी दूसरी युवती से शादी कर ली। शादी के बाद प्रेमिका शिक्षिका और शिक्षक के बीच विवाद बढ़ने लगा। राहुल ने प्रेमिका शिक्षिका को झांसा देकर पत्नी से तलाक लेने की बात कही, लेकिन वह रोज पत्नी के साथ मारपीट करने लगा, जिसके चलते पत्नी अपने मायके चली गई। बाद में साल 2024 में राहुल ने धोखा देकर तीसरी युवती के साथ लिव-इन रिलेशनशिप शुरू कर दी। जब यह बात सामने आई तो प्रेमिका शिक्षक ने स्कूल में ही सवाल-जवाब किए, लेकिन राहुल ने शादी से साफ इनकार कर दिया। धोखा समझकर प्रेमिका ने मानपाड़ा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने धोखाधड़ी और दुराचार (दुष्कर्म) के आरोप में शिक्षक राहुल तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट एसोसिएशन द्वारा 7वां राज्यस्तरीय आल कराटे स्टाईल चैम्पियनशीप स्पर्धा संपन्न

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के पद्मानगर स्थित पदमाशाली समाज हाल में ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट एसोसिएशन द्वारा सातवां राज्यस्तरीय आल स्टाईल कराटे स्पर्धा का आयोजन किया गया जहां अलग-अलग राज्यों से कराटे खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर स्पर्धा को सफल बनाया । बतादें कि भिवंडी शहर ग्रामीण तथा ठाणे जिला में कार्यरत ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष ग्रैंडमास्टर राजाराम देवासानी और उनकी टीम पूरे जिले में विद्यार्थियों को कराटे का प्रशिक्षण वर्षों से देते आ रहे हैं जिन्हें और भी निपुण बनाने के लिए अलग-अलग स्तर पर स्पर्धा का आयोजन करते रहते हैं । इसी तरह भिवंडी के पद्मानगर स्थित पद्मशाली समाज हाल प्रांगण में सातवां राज्य स्तरीय आल स्टाइल स्पर्धा का आयोजन किया गया जहां तेलंगाना, गुजरात, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, बिहार, उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र से लगभग 700 कराटे खिलाड़ियों ने सहभागी होकर उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये पदक हासिल किये । इस स्पर्धा में ग्रैंड चैंपियनशिप विजेता लक्ष्यम शोतोकान कराटे के संस्थापक अनिल कुमार के खिलाडी हसीनी (ब्लैक वेल्ट) ने ग्रैंड चैंपियनशिप ट्राफी हासिल किया । वहीं पर टीम विजेताओं में ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट एसोसिएशन आफ इंडिया प्रथम विजेता, अजिंक्य अशोक अवघमारे (ओरिएंटल स्कूल आफ कुंग फू) द्वितीय कप, कपिल?श कदम (रायल इंटरनेशनल स्कूल) तृतीय कप हासिल किया । इस स्पर्धा में मुख्य अतिथि समाजसेवक दिनेश पाटील, कुंदन पुरुषोत्तम, श्रीनिवास वल्लाल, सागर येल्ले, मोहन कोंडा, बलराम अवधूत, प्राचार्य डा.हरीप्रिया सपकाले, श्रवण कुमार, डा.विजय कुमार मौर्य, डा. किरण विजय कुमार मौर्य, ग्रैंड मास्टर पी.वीराचार्य, राजेंद्र कुमार गिहारा, विजय दलाल, रमेश अडेपु उपस्थित थे सभी का स्वागत सम्मान असोसिएशन के अध्यक्ष राजाराम देवासनी, अशोक देवासनी व टीम ने किया ।

अमेरिकन टूरिस्टर ने अनन्या पांडे और सिद्धांत चतुर्वेदी संग लॉन्च किया नया कैंपेन एवरीवन्स इन, एक धमाकेदार एंथम के साथ

मुंबई/पटना। दुनिया के सबसे भरोसेमंद ट्रैवल गियर ब्रांड्स में से एक अमेरिकन टूरिस्टर ने ट्रैवल सीजन की शुरूआत अपने नए एनर्जी से भरपूर कैंपेन एवरीवन्स इन के साथ की। ये कैंपेन आज की युवा पीढ़ी की ज़िन्दादिली और नए अनुभवों के लिए जोश को सेलिब्रेट करता है, जो मानते हैं कि ज़िंदगी मजेदार तभी बनती है जब नए अनुभव और नए लोग साथ हों। जहाँ हर सफर खुली और इन्क्लूसिव दुनिया में और भी यादगार बन जाता है। सोनी म्यूजिक के साथ मिलकर तैयार किया गया यह जोशीला और फील-गुड कैंपेन सॉन्ग इस ट्रैवल मूड को और भी मजेदार बनाता है। ये कैंपेन उन सारे सोशल-लाइफ लविंग ट्रैवलर्स के लिए है, जो बस निकल पड़ते हैं मस्ती, नए दोस्तों और यादगार पलों की तलाश में। कैंपेन की सबसे बड़ी खासियत है एक 2 मिनट का ऑरिजिनल ट्रैक, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और अनन्या पांडे की जबरदस्त केमिस्ट्री नजर आती है। इसे जोनिता गांधी और खुद सिद्धांत ने गाया है। ये गाना आपको उसी बेफिक्र और एडवेंचरस रोड ट्रिप की फील देता है, जहाँ अजनबी भी दोस्त बन जाते हैं।

तारापुर में पर्यावरण प्रदूषण निवारण दक्षता चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया वृक्षारोपण

पालघर(उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागृति लाने और स्वच्छ वातावरण का संदेश देने के उद्देश्य से पर्यावरण प्रदूषण निवारण दक्षता चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) द्वारा रविवार, 14 सितंबर 2025 को सुबह 11:30 बजे तारापुर औद्योगिक क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पेंटागोन ड्रग्स प्रा. लि. एवं रेडियंट इंटरमीडियेट प्रा. लि. के प्लॉट नं. एन-224 व 225 के परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर जयेश संघवी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों के स्वागत से हुई। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में युवा उद्योजक वीर जयेश संघवी उपस्थित रहे, जिन्होंने स्वयं वृक्षारोपण कर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वृक्षारोपण में पुलिस थाना एमआईडीसी बोईसर अंतर्गत कुम्भवली कोस्टल चेक पोस्ट के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सचिन जाधव, बोईसर-पालघर पत्रकार संघ (रजि.) के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, पालघर जिला कांग्रेस के सचिव रामरतन यादव, ट्रस्ट की उपाध्यक्ष नीता राउत, समाजसेवी शामा संघवी और नितुजा पाटील सहित अनेक मान्यवरों ने कंपनी के कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। विशेष अतिथि वीर जयेश संघवी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हस्वच्छ पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। अधिक से अधिक वृक्ष लगाना और उनका संवर्धन करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है ह्व कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद संखे (गुरुजी) ने सभी अतिथियों, समाजसेवियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक

पालघर(उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार की पहल पर देशभर में महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण, जनजागरण और पोषण सेवाओं के प्रसार के लिए स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलाया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से यह अभियान सेवा ही संकल्प, राष्ट्र प्रगति ही प्रेरणा के भाव से कार्यान्वित होगा। साथ ही आठवां राष्ट्रीय पोषण माह भी 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर 2025 तक मनाया जायेगा। इसके अंतर्गत सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। प्रमुख विषयों में मोटापा कम करने हेतु संतुलित आहार पद्धति, पोषण भी पढ़ाई भी, बच्चों के लिए सही खानपान, बाल संगोपन में पुरुषों की भागीदारी आदि शामिल हैं। इसके लिए आंगनवाड़ी स्तर पर पूरक आहार पाककला प्रदर्शन, महिला-

बाल स्वास्थ्य जांच, पोषण शपथ, स्थानीय आहार का महत्व, एनीमिया विषयक जनजागरण जैसे कार्यक्रम होंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आरोग्य विभाग के माध्यम से यह अभियान संचालित किया जाएगा। महिलाओं के लिए अनेक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सेवाएं उपलब्ध होंगी, जिनमें रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर जांच (स्तन, गर्भाशय व मुख कैंसर), गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, क्षयरोग, एचआईवी, दंत रोग, टीबी, सिकल सेल, एनीमिया इत्यादि की जांच शामिल है। साथ ही स्वास्थ्यदायी जीवनशैली पर जोर देते हुए स्थानीय व पारंपरिक आहार, शक्कर-तैलीय पदार्थ का कम उपयोग, योगाभ्यास, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान, पोषण परामर्श और टेक-होम राशन (टी एच आर) वितरण किया जायेगा। सरकार ने इस अवसर पर मातृ व शिशु संरक्षण कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आयुष्मान भारत योजना जैसी सेवाओं का नामांकन व पंजीकरण भी आसान कर दिया है। यह जानकारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी और जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर ने दी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने महिलाओं और बच्चों से अपील की है कि वे इन सेवाओं का लाभ लेने के लिए अपने नजदीकी आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या आंगनवाड़ी केंद्र से संपर्क करें।

निलेश श्याम नानचे मुंबई कांग्रेस स्लम सेल के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर के जाने माने कांग्रेस नेता व समाजसेवक निलेश श्याम नानचे को मुंबई कांग्रेस स्लम सेल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। निलेश श्याम नानचे की यह नियुक्ति मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष सांसद वर्षा ताई गायकवाड़ के आशीर्वाद से हुई है। नानचे की इस पद पर हुई नियुक्ति से झोपड़पट्टियों के निवासियों में आशा की एक किरण जागी है।

बता दें कि निलेश नानचे के पिता श्याम नानचे वरिष्ठ कांग्रेस नेता रहे हैं। यही वजह है कि नानचे छात्र जीवन से ही कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी में विभिन्न पदों पर रहते हुए झोपड़पट्टियों में एस आर ए योजना को क्रियान्वित कराने के लिए सदैव ही प्रयत्नशील रहते हैं। निलेश श्याम नानचे को मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा ताई गायकवाड़ ने नियुक्ति पत्र सौंपकर पद भार ग्रहण कराया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक अमीन पटेल, मुंबई कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता और स्लम सेल विभाग के पूर्व अध्यक्ष सुरेशचंद्र राजहंस, महासचिव तुषार गायकवाड़, अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष कचरू यादव, कांग्रेस नेता निजामुद्दीन राइन, शंकर खड़तारे, राजेश इंगले , सुभाष चंद्र यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। स्लम सेल के अध्यक्ष पद पर हुई नियुक्ति पर नीलेश श्याम नानचे ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता होगी झोपड़पट्टियों में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को हल कराना।

इसके अलावा झोपड़पट्टियों में एस आर ए योजना को गति दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

केडीएमसी कर्मचारी पर जमीन विवाद को लेकर जानलेवा हमला

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कोलसेवाड़ी पुलिस थाना क्षेत्र के म्हात्रे नाका पर जमीन विवाद को लेकर केडीएमसी के एक कर्मचारी पर धारदार हथियार से हमला हुआ। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि बदलापुर में गोलीबारी के एक मामले में फरार चल रहे कुख्यात अपराधी अप्प्या दांडे ने अपने पांच साथियों के साथ मिलकर यह हमला किया। कोलसेवाड़ी पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पुलिस हमले के बाद फरार हुए अप्प्या दांडे समेत चार लोगों की तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार दीपक म्हात्रे कल्याण पूर्व के चिंचपाड़ा इलाके में केडीएमसी कर्मचारी हैं। सुबह 10 बजे के दरम्यान उनपर छह लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले

में दीपक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए कल्याण पूर्व के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बोडके नाम के एक व्यक्ति के साथ उनका जमीनी विवाद चल रहा है। दीपक के परिवार का आरोप है कि इसी जमीन विवाद को लेकर हमला किया गया। इस हमले को लेकर अप्प्या दांडे को सुपारी दी गई। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर यह हमला किया। बदलापुर में एक अन्य मामले पर गोली चलाने के मामले में अप्प्या दांडे पहले से फरार है। कोलसेवाड़ी पुलिस ने अप्प्या दांडे और उसके अन्य साथियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने अप्प्या और उसके साथियों के सीसीटीवी फुटेज बरामद कर लिए हैं। अप्प्या की गिरफ्तारी के बाद दीपक पर हमले का आदेश किसने दिया था? इसका खुलासा होने वाला है।

हिंदी दिवस समारोह : साहित्य और संस्कृति के रंग में रंगा SICES डिग्री कॉलेज अंबरनाथ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। साऊथ इंडियन चिल्ड्रन्स एज्युकेशन सोसायटी डिग्री कॉलेज, अंबरनाथ (पश्चिम) में हिंदी दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विख्यात कवि, लेखक, गीतकार एवं पत्रकार रामकेश एम. यादव सरस मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को साहित्यिक और सांस्कृतिक रंग प्रदान किया।

बता दें कि यादव हिंदी जगत के प्रतिष्ठित रचनाकारों में गिने जाते हैं। वे मुंबई महानगरपालिका के पूर्व शिक्षक रहे हैं और एम.ए., बी.एड. की डिग्रियाँ प्राप्त की हैं। अब तक उनकी 26 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें मैं सैनिक बनूँगा, तिरंगा, सरहद, मजदूरन, बेटी बचाओ, पानी बचाओ, किसान की बेटी और मिट्टी की सुगंध जैसी कृतियाँ उल्लेखनीय हैं। उन्होंने साहित्य सेवा के लिए देशभर से 425 से अधिक पुरस्कार प्राप्त किए हैं और उनकी कविताएँ महाराष्ट्र के पाठ्यक्रम की पुस्तकों में भी शामिल की गई हैं।

समारोह की शुरूआत सरस्वती पूजन से हुई। इसके पश्चात कॉलेज के प्राचार्य डॉ. हर्षल एम. बच्छाव ने मुख्य अतिथि का स्वागत एवं सत्कार किया और तत्पश्चात ग्रंथपाल डॉ. संघर्ष एस. गजबे ने प्राचार्य महोदय का सम्मान किया। कार्यक्रम में वैष्णवी वडालकर ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में यादव ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया और अपनी कविताओं का पाठ किया, जिसने उपस्थित सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर डॉ. संघर्ष गजबे ने कविता नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है का काव्यपाठ किया और अपने अनुभव साझा किए। वहीं डॉ. विकास देशमाने ने अग्निपथ कविता पर वक्तव्य देते हुए विद्यार्थियों में चुनौतियों का डटकर सामना करने की प्रेरणा जगाई। कार्यक्रम का संचालन छात्रा रिया सिंह ने किया और अंत में साक्षी राठोड़ ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सैकड़ों विद्यार्थी और अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्राध्यापकगणों में प्रा. विशाल शिनगारे, प्रा. विशाल सोनवणे, प्रा. सय्यद, प्रा. नीलम जयस्वाल, प्रा. धनश्री कडव, प्रा. मुग्धा कर्वे, डॉ. विकास देशमाने और डॉ. प्रवीण हुडगे उल्लेखनीय रूप से उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की सफलता में हिंदीझमराठी भाषा वाङ्मय मंडल, एनएसएस इकाई और डीएलएलई यूनिट का विशेष सहयोग रहा। मार्गदर्शन महाविद्यालय की डायरेक्टर (एज्युकेशन) डॉ. स्वप्ना एच. समेल और प्राचार्य डॉ. हर्षल बच्छाव का रहा। कार्यक्रम ने न केवल विद्यार्थियों में हिंदी भाषा और साहित्य के महत्व को रेखांकित किया, बल्कि संस्कृति और राष्ट्रीय एकता के प्रति नई चेतना भी जाग्रत की।

वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रशेखर धुरी का जन्मदिन मनाया गया

वसई रोड। लोकतंत्र सेनानी, भाजपा के वरिष्ठ नेता, व पूर्व सरपंच व नगरसेवक चंद्रशेखर धुरी का जन्मदिन वसई रोड पश्चिम स्थित उन्नति हॉल में बड़े हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस विशेष अवसर पर भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, गणमान्य अतिथि और परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नालासोपारा के विधायक राजन नायक थे। उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटील, महामंत्री मनोज बारोट, विधानसभा प्रमुख विनायक निकम, विजेंद्र कुमार, वसंत धुरी, पूर्व प्रमुख मनोज पाटील, अभय कक्कड, सायबा मोरे, वरिष्ठ नेता सुधाकर भानुशाली, माजी नगरसेवक किरण भोईर, नगरपालिका आयुक्त नंदकुमार महाराज, व्यापारी प्रमुख सुनील तरैया तथा अन्य अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। धुरी परिवार से उनकी धर्मपत्नी मंगला धुरी, पुत्र श्रेयस धुरी, एडवोकेट साधना धुरी, सुनील धुरी, सीमा धुरी, विवेक धुरी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने चंद्रशेखर धुरी को उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीघार्यु के लिए

शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन महेश सरवणकर (वसई रोड मंडल अध्यक्ष) द्वारा किया गया, जबकि संपूर्ण व्यवस्था की ज़िम्मेदारी लालजी कनोजिया ने निभाई।मंच से बोलते हुए विधायक राजन नायक, सुधाकर भानुशाली, नंदकुमार महाजन और ?ड. साधना धुरी ने चंद्रशेखर धुरी के साथ बिताए पुराने अनुभव साझा किए और उन्हें एक सच्चे लोकसेवक, अनुशासित कार्यकर्ता और प्रेरणादायक नेता बताया। उन्होंने कहा कि वसई शहर में चंद्रशेखर धुरी ने न केवल अपना नाम बनाया है बल्कि जनसेवा को जीवन का उद्देश्य मानकर कई सामाजिक कार्यों को अंजाम दिया है।

उनका यह जीवनमंत्र रहा है कि ?किसी को निराश नहीं करना?, और यही भावना आज उन्हें सबके प्रिय बनाती है। इस मौके पर उत्तरशक्ती डेली न्यूज पेपर के संवाददाता सहित वसई साईनगर वॉर्ड 97 के सभी भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में चंद्रशेखर धुरी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के स्पेशल शो द बंगाल फाइल्स को देख भावुक हुए दर्शक

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रविवार 14 सितंबर 2025 की रात बोईसर स्थित केटी मल्टिविजन सिनेमा घर में राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ द्वारा आयोजित चर्चित फिल्म द बंगाल फाइल्स का विशेष नाइट शो दर्शकों की भीड़ से खचाखच भरा रहा। शो हाऊसफुल रहा और फिल्म देखते समय कई दर्शक भावुक हो उठे। दर्शकों ने बीते दौर की गलतियों को बड़े पर्दे पर देखकर भविष्य में सतर्क रहने की बात कही।

स्पेशल शो से पहले ओस्तवाल गणेश मंदिर प्रांगण में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें समाजसेवी डॉ. स्वप्निल शिंदे, डॉ. शितल शिंदे तथा राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष ललित पुखराज माली ने दर्शकों को संस्कृति और समाजिक जागरूकता पर मार्गदर्शन दिया। फिल्म प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां, व्यापारी समाज, बोईसर माली समाज, एकदंत भीमनगर ग्रुप, विश्वकर्मा समाज, गोविंदा पथक आजाद नगर और रामदेव सेवा मंडल ग्रुप के लोग मौजूद रहे। पूरा हॉल जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से गूंजता रहा। इस मौके पर संघ के प्रदेश महासचिव एस.एस. तिवारी, संगठन मंत्री रोहित सिंह, मंत्री निलेश राऊत, पालघर जिले के संरक्षक

किसन देवासी, वृजेश शर्मा, राजेश तिवारी, शिवराज यादव, जिलेदार वर्मा, प्रमोद विश्वकर्मा, रामसेवक विश्वकर्मा, श्याम सुंदर, सुमित ठाकुर, राजेश सिंह, राकेश शर्मा, मुन्ना ओझा, विनोद पोद्दार, प्रभारी परेश राऊत, संरक्षक लक्ष्मण वेदाडे, उपाध्यक्ष पिंकु मिश्रा, कोषाध्यक्ष विनोद शर्मा, सचिव विक्रम सैनी, महामंत्री मीना बोरसे, मंत्री प्रेम अग्रवाल, सुनिता सकपाल, चांदनी सिंह सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावा किसन माली, गजेन्द्र राजपुरोहित, वीरेंद्र चौधरी, नरेश भाई, हेमराज माली, शंकर माली, नैनाराम माली समेत अनेक प्रमुख नागरिक व मीडिया प्रतिनिधियों ने भी उपस्थिति दर्ज की। फिल्म द बंगाल फाइल्स के इस विशेष प्रदर्शन ने न केवल दर्शकों को भावुक किया बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकजुटता का भी मजबूत संदेश दिया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

9 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद पुनः शुरू हुई बस सेवा, ग्रामवासियों में खुशी की लहर

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के ग्राम कलापुर से लेकर लखनऊ तक जाने वाली बस सेवा, जो लगभग 9 वर्षों से बंद पड़ी थी, जिसको मंगलवार से पुनः शुरू कर दी गई। यह उपलब्धि पूर्व एमएलसी सिराज मेहंदी के अथक प्रयासों का परिणाम है। नई शुरू की गई बस कलापुर से नौली, खुटहन, सुल्तानपुर होते हुए सीधे राजधानी लखनऊ तक जाएगी। इस बस सेवा के शुरू होने से न केवल कलापुर बल्कि आस-पास के गांवों के लोगों में भी हर्षोल्लास का माहौल देखा गया। जिसको शिया डिग्री कॉलेज जौनपुर के प्राचार्य डॉ. सादिक रिजवी ने हरी झण्डी दिखाकर किया गया। ग्रामवासियों का कहना है कि बस सेवा शुरू

होने से अब लोगों को लखनऊ तक आने-जाने में सहूलियत होगी। खासतौर पर विद्यार्थियों, मरीजों और नौकरीपेशा लोगों के लिए यह सेवा अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। ग्रामीणों ने आशा जताई कि भविष्य में अन्य मार्गों पर भी इसी प्रकार की सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। इस अवसर पर पूरे ग्राम में खुशी का माहौल छाया रहा। लोगों ने इसे ग्राम के विकास की दिशा में बड़ा कदम करार दिया और इस पहल को लंबे समय तक यादगार बताया। अंत में सभी ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए पूर्व एमएलसी सिराज मेहंदी के प्रयासों की सराहना की और इसे क्षेत्र के लिए नई सौगात बताया। इस मौके पर मुख्य रूप से जौहर अब्बास, जावेद, बृजेश राजभर, प्रधान अशोक गौतम, पूर्व प्रधान कोमल व रूपेश गुप्ता समेत भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

आजमगढ़ में नहीं रुक रहा है डॉक्टरों की लापरवाही से मौत का मामला

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद में डॉक्टरों की लापरवाही से होने वाली मौत का मामला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जनपद के फूलपुर, लालगंज, सरायमीर सहित कई क्षेत्रों में डॉक्टरों की लापरवाही से मौत के कई मामले सामने आ चुके हैं। इसी बीच दीदारगंज थाना क्षेत्र के बिहटा गांव का एक मामला सामने आया है, इलाज में लापरवाही से बच्चे की मौत होने पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया गया। बता दें कि फूलपुर तहसील के बिहटा गांव निवासी 13 वर्षीय छात्र आदर्श की पागल सियार के काटने के बाद इलाज के दौरान सोमवार सुबह मौत हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने स्थानीय निजी चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए गद्दोपुर बाजार के पास दीदारगंज-अंबारी मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। करीब एक घंटे तक चले जाम को एसडीएम और सीओ ने समझा-बुझाकर समाप्त कराया। जानकारी के अनुसार, आदर्श (13), पुत्र मोहन, बिहटा गांव (थाना दीदारगंज) का निवासी था। बीते 24 अगस्त को वह घर से बाहर किसी काम से निकला था, तभी रास्ते में एक पागल सियार ने उसे काट लिया। परिजन उसे तुरंत गद्दोपुर के एक निजी चिकित्सक जिलेदार यादव के पास ले गए। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर परिजनों को भरोसा दिलाया कि बालक यहीं ठीक हो जाएगा और कहीं और ले जाने की जरूरत नहीं है। परिजन डॉक्टर के भरोसे पर अन्यत्र इलाज के लिए नहीं गए। पांच दिन पहले आदर्श की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे दोबारा उसी चिकित्सक के पास ले गए, जिन्होंने फूलपुर

सड़क पर दिखा आक्रोश, एसडीएम और सीओ के आश्वासन पर माने परिजन

के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाने की सलाह दी। वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से वाराणसी भेजा गया। वाराणसी में भी डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। निराश परिजन आदर्श को घर ले आए, जहां सोमवार सुबह करीब 7 बजे उसकी मौत हो गई। आदर्श की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने सुबह 9 बजे शव को गद्दोपुर बाजार ले जाकर दीदारगंज-अंबारी मार्ग जाम कर दिया। ग्रामीणों ने चिकित्सक जिलेदार यादव पर लापरवाही और झोलाछाप चिकित्सा का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। इस दौरान डॉक्टर ने अपनी दुकान बंद कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही दीदारगंज थाना अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फूलपुर के क्षेत्राधिकारी किरन पाल सिंह और उप जिलाधिकारी अशोक कुमार भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों को समझा-बुझाकर करीब एक घंटे बाद जाम समाप्त कराया।

बता दें कि करीब एक सप्ताह पूर्व स्थानीय नेताओं और समाजसेवियों द्वारा आरोप लगाया गया था कि यशलोक हास्पिटल, फूलपुर और आर्यन अस्पताल, लालगंज में दो महिलाओं की मौत का मामला सामने आया था। दोनों अस्पताल बिना पंजीकरण और अवैध डिग्री के संचालित हैं। फूलपुर में सरकारी अस्पताल के सामने अवैध ऑपरेशन थिएटर चल रहा है, जहां भ्रूण हत्या जैसे अपराध हो रहे हैं। बार-बार शिकायत के बाद भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी मामले को दबाना चाह रहे हैं। दोनों मामलों की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अगर उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर शीघ्र जांच कर कारवाई नहीं की गई तो आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

डॉ. रत्नप्पा ने दबे-कुचले और शोषित समाज को शिक्षा से जोड़ा: गिरीश

डॉ. रत्नप्पा के योगदान को हमेशा याद रखेगा देश : सुरेंद्र प्रजापति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महाराज दक्ष प्रजापति संघर्ष समिति जौनपुर ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारतीय संविधान निर्माण सभा के सचिव एवं पद्मश्री डा. रत्नप्पा कुम्भार (प्रजापति) की 116 वीं जयन्ती सोमवार को धूमधाम से मनाई। समारोह का आयोजन नगर के एक होटल के सभागार में हुआ। मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव रहे। खेल मंत्री ने कहा कि डॉ.रत्नप्पा ने अत्यंत गरीब, दबे-कुचले और शोषित-वंचित पिछड़े एवं अनुसूचित समाज को शिक्षा से जोड़ा। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े समाज को शिक्षित करके ही राष्ट्र का उत्थान हो सकता है। कहा कि संविधान के निर्माण में डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ-साथ डॉ. रत्नप्पा का अहम योगदान रहा है। राज्यमंत्री ने कहा कि समाज के अंतिम गरीब व्यक्त को शिक्षित करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विशिष्ट अतिथि नपा अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने डॉ. रत्नप्पा के विचारों को आत्मसात करने की बात कही। विशिष्ट अतिथि नेत्र सर्जन डा. आरके चक्रवर्ती ने कहा कि उनके सिद्धांत

प्रजापति समाज ने धूमधाम से मनाई पद्मश्री डा.रत्नप्पा कुम्भार की 116वीं जयन्ती

और विचार समाज में आज भी प्रासंगिक हैं। उत्तर-प्रदेश सरकार माटी कला बोर्ड के सदस्य अजीत प्रजापति ने रत्नप्पा कुंभार के जीवन को सभी के लिए अनुकरणीय बताया। आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव विनोद प्रजापति, पूविवि यूजीसी के प्रभारी सुशील प्रजापति, गनेश, बसंत, विजय, रामपलट और धर्मेंद्र आदि ने भी संबोधित किये। अध्यक्षता पूर्व पोस्टमास्टर बाबूराम प्रजापति और संचालन महेंद्र प्रजापति ने किया। इस मौके पर जनार्दन प्रजापति प्रमुख दक्ष आर्मी, डा. महेन्द्र प्रजापति जिला मंत्री भाजपा, अरूण प्रजापति जिला सचिव सपा, राहुल, पवन, मोहित छात्र नेता, मोहन लाल, अनिल प्रजापति सभासद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रजापति महासभा जौनपुर ने डॉ. रत्नप्पा की जयंती दीवानी न्यायालय परिसर में सोमवार को धूमधाम से मनायी। प्रजापति महासभा के जिलाध्यक्ष, पूर्व शासकीय और वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र प्रजापति ने डॉ. रत्नप्पा के योगदान को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कहा कि डॉ. रत्नप्पा के योगदान को देश हमेशा याद रखेगा। स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय रूप से भाग लिए थे तथा स्वतन्त्र भारत के पहले चुनाव मे वे लोक सभा सदस्य व महाराष्ट्र मे विधायक चुने गए थे और इन्होंने समाज के विकास व शिक्षा के किए विद्यालय व कई संस्थाएं स्थापित कराया तथा अन्तिम सांस लेने तक महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य व मंत्री थे और भारत सरकार ने इन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया था। अब प्रजापति समाज के महापुरुष रत्नप्पा कुम्भार की जयन्ती जिले के हर गली मोहल्ले मे मनाई जाएगी। समारोह में अधिवक्ता गण अरूण प्रजापति, विकलेश प्रजापति, अरविंद प्रजापति, जियालाल प्रजापति, राजेन्द्र प्रजापति, राजेश वर्मा, डा योगेन्द्र प्रजापति, केशव प्रजापति, संतोष प्रजापति, नरेन्द्र प्रजापति, दिनेश प्रजापति, डा.श्रवण प्रजापति, रामनरेश प्रजापति, सालिक राम वर्मा, रीगन प्रजापति, सोमारू प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

जेसीआई शाहगंज सिटी के जेसी सप्ताह का समापन

ग्रेट डे सेलिब्रेशन में हुई पुरस्कारों की बारिश, मनाई गई संस्थापक की जयंती

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर में मनाए जा रहे जेसीआई सप्ताह का सोमवार रात समापन हो गया। सामाजिक संस्था जेसीआई शाहगंज सिटी ने ग्रेट डे सेलिब्रेशन एवं अवार्ड नाइट का आयोजन ज्योत्स्ना मैरेज लॉन में किया। आयोजन के मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष डॉ राजकुमार मिश्रा, विशिष्ट अतिथि पूर्व अध्यक्ष हनुमान प्रसाद अग्रहरि और नेशनल कोऑर्डिनेटर अविनाश जायसवाल रहे। कार्यक्रम में तमाम जेसी सदस्यों को उनके योगदान के लिए पुरस्कारों से नवाजा गया। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

अध्यक्ष दीपा सेठ ने बताया कि छह दिनों तक लगातार जनोपयोगी और सामाजिक कल्याण के कार्यक्रम करने के बाद सातवें दिन ग्रेट डे सेलिब्रेशन एवं अवार्ड नाइट का कार्यक्रम हुआ। जेसी सप्ताह चेयरमैन उज्ज्वल सेठ ने अपनी रिपोर्ट में जेसी सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजकों और सहयोगियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ राजकुमार मिश्रा ने कहा कि जेसीआई सीखने का बेहतरीन प्लेटफॉर्म है और यहां से नए नेतृत्वकर्ता पैदा होते हैं। उन्होंने कहा कि मानव कल्याण के

लिए संस्था के प्रयास अनुकरणीय हैं। विशिष्ट अतिथि ने जेसी सप्ताह में हुए कार्यक्रमों की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामना दी। कार्यक्रम में बेजुबान संस्था से जुड़े अभिलाष आर्य और उनके साथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र जायसवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विवेक सोनी और अमृता जायसवाल ने जेसी आस्थाओं का पाठ किया। शिवा दीक्षित ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। इस मौके पर हुए फैशन शो में पूर्व अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा को मिस्टर जेसी, अन्नू गुप्ता को मिसेज जेसिरेट और अर्पित गुप्ता को मिस्टर जेजे चुना गया। संचालन सौरभ सेठ और आयुष्मान ने किया। कार्यक्रम में पूर्व पालिकाध्यक्ष गीता जायसवाल, डॉ एसएल गुप्ता, सेंट जेवियर्स स्कूल के प्रधानाचार्य आरबी श्रीवास्तव, पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आशीष मौर्या, पूर्व अध्यक्ष कैलाश नाथ जायसवाल, प्रेम नारायण जायसवाल, उमाशंकर गुप्ता, संजीव जायसवाल, दिनेश चंद्र गांधी, रमेश गुप्ता, महेंद्र जायसवाल, संजय गुप्ता, मनोज पांडेय, अभिषेक अग्रहरि, दिवाकर मिश्रा, रविकांत जायसवाल, दीपक जायसवाल, देवी प्रसाद चौरसिया, आशीष प्रीतम, दीपक सिंह, कार्तिक अग्रहरि, आदित्य गुप्ता आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बुलेट की चपेट में आने से राजगीर की हुई मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के पवई थाना क्षेत्र के गोधना में मंगलवार की भोर में हुई सड़क दुर्घटना में घायल राजगीर शिव प्रसाद (53) की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, शिव प्रसाद (पुत्र तपसी, निवासी बसही अशरफपुर) और मोहम्मद शाहिद (पुत्र जुम्मन, निवासी गोधना) मंगलवार तड़के करीब 4 बजे बाइक से गोधना बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गोधना बाजार के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही एक बुलेट ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बुलेट सवार बाइक सहित मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में शिव प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें इलाज के लिए जौनपुर जिले के शाहगंज ले गए, जहां से आजमगढ़ लाने के दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गई। मोहम्मद शाहिद का शाहगंज के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। शिव प्रसाद पेशे से राजगीर थे और घर बनाने का ठेका लिया करते थे। उनके छः बेटे सुनील, अनिल, अजय, विजय, शिजय, विकास और चार बेटियां रीना, रविता, शकीना व प्रेमशीला हैं। पत्नी मीरा देवी सहित पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पवई थानाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अज्ञात बुलेट सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अवरुद्ध किये गये सार्वजनिक व पुराने रास्ते को मजिस्ट्रेट ने खुलवाया

रामगढ़, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। चतरा क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा रामगढ़ के हनुमान मंदिर के पश्चिम से गांव सभा की जमीन पर बने अवरुद्ध

सार्वजनिक रास्ते को मजिस्ट्रेट के द्वारा खुलवाया गया । लोगो ने बताया की लगभग 50 वर्ष पूर्व से रास्ता बना हुआ था। जिसे रामगढ़ ग्राम प्रधान बलराज मोर्या के सह पर सतीश झा, यज्ञनाथ मिश्रा, इंद्रेश गुप्ता, गुप्तेश्वर शाह, बनारसी चंद्रवंशी, रामसिघासन, सुग्रीव यादव, राजेश गुप्ता आदि । द्वारा मार्च 2025 में कंक्रीट पत्थर आदि लगाकर रोक दिया गया था। जिससे हजारों ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो गया था ग्रामीणों द्वारा क्षेत्रीय लेखपाल आदि से दिनांक 15,9,2025,दिन सोमवार शिकायत की गई थी जिसे नायब तहसीलदार विजयगढ़ मनोज कुमार मिश्रा व क्षेत्रीय लेखपाल अभिषेक यादव व थाना प्रभारी पन्नूगंज उप निरीक्षक मय फोर्स के द्वारा अवरुद्ध सार्वजनिक रास्ते को खुलवा दिया गया जिससे हजारों ग्रामीणों में हर्ष व्यक्त है।

नशा, मानसिक रोग और भावनात्मक कमजोरी सबसे बड़ी चुनौती: कुलपति

◆ युवाओं को मिला सकारात्मक जीवन जीने का संदेश

◆ विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह का हुआ समापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक

मनोविज्ञान विभाग एवं वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह का समापन संकाय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुआ। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया और युवाओं को सकारात्मकता के साथ जीवन जीने का संदेश दिया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि आज की सबसे बड़ी समस्याओं में नशाखोरी, मानसिक रोग और भावनात्मक कमजोरी शामिल हैं, जिनसे जूझते हुए कई लोग कठिन समय को नहीं झेल पाते । उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें, मानसिक रूप से मजबूत बनें और अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना सीखें। उन्होंने यह भी कहा कि नकारात्मकता से बचने के लिए योग और प्राणायाम बेहद प्रभावी साधन हैं। ऐसे अभ्यास व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित निर्णय लेने में सक्षम बनाते हैं। युवाओं को जीवन के उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए और आत्महत्या जैसे शब्द को अपने जीवन से हमेशा के लिए मिटा देना चाहिए। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि, स्व. उमानाथ सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य प्रो. डॉ. रुचिरा सेठी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति जीवन में पूर्ण रूप से परफेक्ट नहीं हो सकता। चुनौतियों से डरने की बजाय उन्हें स्वीकार कर साहस के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के युवा अक्सर छोटी-छोटी बातों पर मानसिक तनाव में आ जाते हैं, जबकि जरूरी है कि कार्य को समर्पण के साथ करें और परिणामों को सहजता से स्वीकारें। जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने भी युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी और संवाद की महत्ता पर बल दिया।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि डॉ. दिग्विजय सिंह ने आभार जताया। संचालन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। समारोह में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. अमित मिश्र, अर्पित यादव, पंकज सिंह सहित कई छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

खम्भे में बांधकर मारने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी क्षेत्र के अन्तर्गत एक व्यक्ति को खम्भे में बाधकर मारने का सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को संज्ञान लेते हुए उ0नि0 सुरेन्द्र सिंह की तहरीर पर दिनांक-15.09.20255 को मु0अ0सं0-192/25 धारा-115(2), 352, 351(3), 127(2) बीएनएस बनाम जावेद खान पुत्र नाजिर खान, असिफ खान पुत्र जुनैद खान निवासी

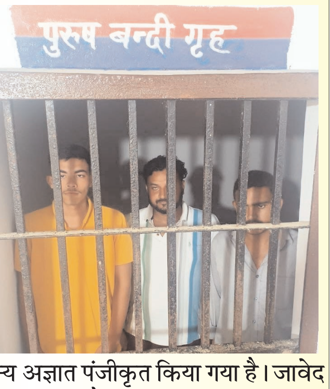

ग्राम गहलाई पोस्ट बरसठी व अन्य अज्ञात पंजीकृत किया गया है। जावेद खान पुत्र नाजिर खान, आसिफ खान पुत्र जुनैद खान ,फरहान पुत्र एजाज निवासी गहलाई थाना बरसठी को गिरफ्तार किया गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शादी करने वादा कर नाबालिग से करता रहा रेप

इंकार करने पर युवती पहुंची पुलिस के पास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार चौकी के एक मोहल्ले में नाबालिक लड़की को शादी का झांसा देकर युवक ने किया बलात्कार। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मुस्लिम धर्म की एक लड़की जिसकी उम्र लगभग 16 वर्ष है उसे एक लड़के ने शादी का झांसा देखकर काफी दिनों से संपर्क बनाए रखा। उसकी इज्जत से खेलने के बाद जब लड़की और उसके घर वालों ने शादी के लिए कहा तो लड़के की परिजन शादी करने से इनकार करने लगे। नाबालिक लड़की की माता द्वारा कोतवाली लिखित तहरीर दी गई। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया और विवेचना चौकी प्रभारी पुरानी बाजार गोविंद कुमार मौर्य को दे दी गई है। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुड़ गई है।

उप्र उद्योग व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष ने केराकत संगठन के पदाधिकारियों को किया सम्मानित

मड़ियाहू में हुए व्यापारी समागम में काफी संख्या में व्यापारी नेताओं ने किया शिरकत

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के मड़ियाहू में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल के व्यापारी समागम के कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल जौनपुर जिले के लोकप्रिय जिलाअध्यक्ष एवं नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन दिनेश टण्डन सहित प्रदेश स्तर के व्यापारी नेता शामिल रहे। कार्यक्रम में केराकत तहसील अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, तहसील महामंत्री साहबलाल यादव, तहसील कोषाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद कसौधन, अमरिश उपाध्याय, उपाध्यक्ष मनोज कुमार कमलापुरी, केराकत नगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार कमलापुरी (पिंकू) नगर महामंत्री दयाराम गुप्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल के व्यापारी समागम के कार्यक्रम में केराकत से चलकर के आये सभी व्यापारी नेताओं को जिला अध्यक्ष दिनेश टण्डन द्वारा माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया

गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष नें कहा कि मैं केराकत तहसील अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल को तहसील महामंत्री साहबलाल यादव को तहसील कोषाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद कसौधन जी को हाथ ही मनोज कुमार कमलापुरी जी को और अमरिश उपाध्याय जी को सहित केराकत नगर के उजार्वान यूवा व्यापारी नेता प्रदीप कुमार कमलापुरी एवं महामंत्री दयाराम गुप्ता जी को सर्वप्रथम ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए इन लोगों को ढेर सारी बधाई देता हूं कि ये सभी लोग 24 घण्टे व्यापारियों की आवाज उठाने वाले ये सक्रिय लोग हैं। ऐसे ही सक्रिय लोगों की संगठन में व्यापारी नेताओं की जरूरत है। जो व्यापारियों की आवाज को हमेशा बुलन्द करता रहे। कार्यक्रम में भारी संख्या में व्यापारी नेताओं की उपस्थिति रही।

एसओजी-2 की बड़ी कार्रवाई, ऑनलाइन जुआ खेलते 13 गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध नियंत्रण और ऑनलाइन जुए के खिलाफ लगातार अभियान चला रही वाराणसी पुलिस की एसओजी-2 टीम ने बड़ी सफलता पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल एवं डीसीपी क्राइम सरवरण टी. के निर्देशन में कोतवाली थाना क्षेत्र के बाड़ा नंबर 5 में चल रहे ऑनलाइन जुए के अड्डे पर छापेमारी की इस कार्रवाई में मौके से 13 जुआड़ियों को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान आरोपियों के कब्जे से रू. 25,000 नगद व 10. मोबाइल फोन बरामद किए गए जिनका इस्तेमाल ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ खेलने में किया जा रहा था जनता ने एसओजी-2 की लगातार कार्रवाई से जनता नें खुलकर सराहना की है लोगों का कहना है कि टीम की सक्रियता से शहर में अपराध व अवैध गतिविधियों पर रोक लग रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑनलाइन जुआ और इससे जुड़ी आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

युवाओं को मिला सकारात्मक साहू कल्याण समिति ने प्रतिभावान छात्रों को किया सम्मानित

जौनपुर। साहू कल्याण समिति (साहू क्लब) जौनपुर ने साहू धर्मशाला सभागार में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के उच्च अंक प्राप्त करने वाले सैकड़ों छात्र-छात्राओं के सम्मान में स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर निदेशक स्वास्थ्य विभाग बांदा राजेश मोहन गुप्ता, संस्थाध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ चंद्रसेन गुप्ता उपपशु चिकित्सा अधिकारी, जितेंद्र गुप्ता असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी,एवं अरुण कुमार गुप्ता मुख्य प्रबंधक यूनियन बैंक क्षेत्रीय कार्यालय, महामंत्री सिद्धार्थ कुमार साहू स्वागताध्यक्ष विजय विजय गुप्ता प्रधानाध्यापक, जयप्रकाश गुप्ता सेवानिवृत्ति उद्यान प्रभारी शाही किला, इंजीनियर रमेश चंद्र गुप्ता,सतीश चंद्र

गुप्ता आदि ने महात्मा गांधी के चित्र के सम्मुख द्वीप प्रज्वलित कर किया।

गणेश वंदना एवं स्वागत गीत आराध्या गुप्ता, माही गुप्ता, पारुल आर के साहू स्कूल द्वारा प्रस्तुत किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय जादूगर राठी सिंह द्वारा अपनी जादू का कला का प्रदर्शन किया जिसे देख लोग अचंभित रह गए। साहू चिंतन पत्रिका एवं साहू कल्याण निधि का विमोचन हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेश मोहन गुप्ता जी अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बांदा ने कहा कि सभी शिक्षार्थियों को पूरी लगन एवं कर्मठता के साथ शिक्षा अर्जन करना चाहिए क्योंकि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है, बिना शिक्षा के समाज का विकास नहीं हो सकता। कार्यक्रम का संचालन अनिल गुप्ता एडवोकेट, योगेश साहू अनाज संघ ने किया।

30वें प्रतिभा सम्मान समारोह नन्हकउ गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष अनिल गुप्त, डीसी गुप्ता, आदि ने अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर लाल जी गुप्ता सुजानगंज, ननकहू जी, अरविंद बैंकर, राजेश गुप्ता पत्रकार, संजीव साहू, देवेंद्र जी शाहगंज, अशोक बैंकर, राम नारायण साहू मछली शहर, संतोष साहू, घनश्याम साहू, जयप्रकाश गुप्त मानिकला, नीरज साहू, संतोष जी (बच्चा), सुधांशु गुप्ता, जियाराम जी, संजय गुप्ता एडवोकेट, शिव कुमार जी, पवन साहू, मनोज साहू, धीरज साहू सत्यनारायण जी मुक्तिगंज, दीपक साहू ओमप्रकाश साहू आदि मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी की पूर्व महिला प्रमुख श्रीमती बबिता शर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। बसई रोड, साईनगर भारतीय जनता पार्टी की पूर्व महिला मोर्चा प्रमुख श्रीमती बबिता शर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। यह आयोजन वॉर्ड 97 के भाजपा कार्यालय में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने भाग लिया। इस विशेष अवसर पर सभी ने श्रीमती बबिता शर्मा को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई देते हुए उनके दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में शेखर धुरी दादा सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे। महिला मोर्चा से प्रिया प्रेमळवर, कांचन सोनी, पूनम राजगोर, गायत्री वडेकर, रश्मी मिश्रा आदि ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। साथ ही वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता हर्षित शाह, कोठारी अंकल, लोकप्रिय गायक नरहर जाधव, पूर्व भाजपा जिल्हा सचिव मनोज शर्मा, कल्पेश चौहान, लालजी कनोजिया, विजय राजगोर सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। इस मौके पर उत्तरशक्ति डेली न्यूज पेपर के संवाददाता नरेंद्र सोनी ने भी श्रीमती शर्मा को शुभकामनाएँ देते हुए उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। पूरे कार्यक्रम का संचालन भाजपा पदाधिकारी कल्पेश चौहान और लालजी कनोजिया द्वारा किया गया। जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वामीराज ग्रुप ने ठाणे वेस्ट में 180 करोड़ का प्रीमियम हाउसिंग प्रोजेक्ट किया शुरू

ठाणे। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (टटफ) का एक रियल एस्टेट डेवलपमेंट ब्रांड 'हाउस ऑफ स्वामीराज' ने ठाणे की मशहूर हाउसिंग सोसायटीज प्रकाश उत्कर और सरगम उत्कर के साथ 180 करोड़ रुपये का समझौता किया है। यह प्रोजेक्ट ठाणे वेस्ट की पोखरण रोड के पास 2,000 वर्गमीटर जमीन पर बनाया जाएगा। समझौते के दौरान डॉयरेक्टर जेसन सैम्युअल, अजय केदारे, गॉर्डन मोंटेरो और राजेश वायल मौजूद थे। यह समझौता पिछले तीन महीनों में ग्रुप की दूसरी बड़ी उपलब्धि है।

कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने तीन अभियुक्त के घर चिपकाया इश्तहार

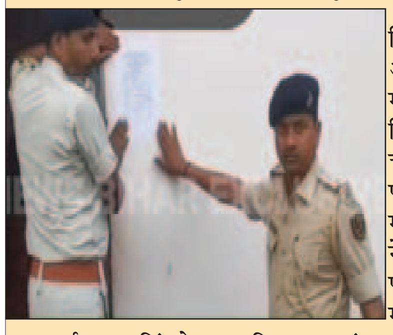

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज महाराजगंज थाना के विभिन्न कांडों में फरार चल रहे अभियुक्तों के घर पर कोर्ट के आदेश पर महाराजगंज थाना पुलिस ने तीन अभियुक्तों के घर पर इश्तहार चिपकाया। महाराजगंज थाना के एसआई लालन सिंह ने बताया कि महाराजगंज थाना कांड संख्या 54/022 में राडिया गांव के बंटी, महाराजगंज थाना कांड संख्या 225/ 022 में राडिया गांव के हीं भारती मांझी, थाना कांड संख्या 301/022 दारौंदा थाना क्षेत्र के बाल बंगरा गांव निवासी रोहित यादव वर्षो से पुलिस के पकड़ से बाहर चल रहे थे। मामला कोर्ट में चल रहा है। अभियुक्तों को कोर्ट में उपस्थित नहीं होने पर कोर्ट के आदेश पर उपरोक्त अभियुक्तों के घर पुलिस ढोल नगाड़े के चोट पर इश्तहार चिपकाया है। कोर्ट के निर्धारित तिथि प्रभियुक्तो को कोर्ट में उपस्थित नहीं होने पर उनके घर की कुर्की की जाएगी। पुलिस अभियुक्तों के उपस्थित परिजनों को भी यह सूचना दे दी है।

बच्चों की प्यास बुझाने के लिए जूझता विद्यालय, दूषित पानी से सेहत पर संकट

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले प्राथमिक विद्यालय हौज द्वितीय में पढ़ने वाले नन्हें-मुन्ने बच्चों के सामने सबसे बड़ी चुनौती ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि शुद्ध पानी की एक बूंद है। विद्यालय में वर्षों से लगा हैंडपंप खराब पड़ा हुआ है। मजबूरी में बच्चे जलनिगम की टंकी से आने वाले पानी पर निर्भर हैं, जो अक्सर प्रदूषित पाया जाता है। महरुपुर गांव निवासी समाजसेवी दिनेश चौहान ने बच्चों की इस गंभीर समस्या को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी अमरेश सिंह को प्रार्थनापत्र सौंपा है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में बनी पानी की टंकी में जलनिगम से सप्लाई आने वाला पानी बच्चों की सेहत बिगाड़ रहा है। कई बार इस पानी को पीने के बाद बच्चे बीमार भी पड़ जाते हैं। हालात और बिगड़ जाते हैं जब सप्लाई बंद हो जाती है ।तब छोटे-छोटे बच्चे प्यास से तड़पते रहते हैं। इस मुद्दे पर बीईओ अमरेश कुमार का कहना है कि उन्हें अभी तक इसकी जानकारी नहीं थी, लेकिन अब प्रधानाध्यापक से पूरी जानकारी लेकर कार्रवाई की जाएगी ।पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को शुद्ध पानी उपलब्ध कराना उनकी सेहत और भविष्य से जुड़ा बुनियादी सवाल है। इस समस्या का समाधान न केवल विद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है, बल्कि पूरे समाज के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

पवई पावर हाउस पर पूर्वांचल किसान यूनियन ने किया सत्याग्रह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पवई पावर हाउस पर अघोषित बिजली कटौती व बिजली विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ पूर्वांचल किसान यूनियन ने सत्याग्रह किया। बारिश न होने के कारण क्षेत्र में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई जिसके कारण सब्जी की फसल, धान-गन्ने की फसल सूखने के कगार पर पहुंच गई है। एक दिन में 55 बार बिजली आ रही है हम चाहते हैं बिजली एक बार आए और 18 घंटे रहे। इस हालत में किसानों को 24 घंटे बिजली दिया जाना सुनिश्चित किया जाए। पूर्वांचल किसान यूनियन महासचिव विरेंद्र यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस इलाके के जेई बिजली व्यवस्था सुधारने के बजाय अवैध वसूली में संलिप्त है, उन्हें सिर्फ पैसे से मतलब है। लगातार लोगों का उत्पीड़न कर रहे है। वह लोगों के ऊपर मुकदमा दर्ज करने की धमकी देकर अवैध वसूली करते है। जिससे जन मानस में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि हर हालत में किसानों को सूखे की स्थिति में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए अगर ऐसा नहीं किया गया तो किसान सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बिजली विभाग के एसडीओ ने वार्ता के दौरान बताया कि शासन द्वारा 18 घंटे बिजली देने का आदेश है लेकिन हमें पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। इसलिए हम बिजली की आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। हम जितने घंटे बिजली देते हैं ईमानदारी से हमारे यहां उतना ही दर्ज होता। आप हमारा रजिस्टर देख सकते हैं। सत्याग्रहियों ने एसडीओ से कहा चाहे जो भी हालत हो हमको 18 घंटे नहीं 24 घंटे बिजली चाहिए। आप तो हमको 8 घंटा भी नहीं दे पा रहे है। यह हमारा मानवाधिकार है कि हमको बिजली मिले। अगर हमें बिजली नहीं मिलेगी तो हम आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। सत्याग्रह में राम अवतार गुप्ता, अनिल गुप्ता, नंदू, विनय कुमार, सुद्दू, जोखन पाल, अवनीश, सद्दाम आदि लोग शामिल रहे।

महाराजगंज में संपन्न हुआ दिव्यांग सम्मेलन, दिव्यांगों के अधिकार पर हुई

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज दिव्यांगो को सहानुभूति नहीं सरोकार चाहिए, सरकार का उपकार नहीं, अधिकार चाहिए आदि नारों के साथ मंगलवार को दिव्यांग समागम सम्मेलन महाराजगंज एक मैरिज हॉल में आयोजित की गयी। सम्मेलन का शुभारंभ सीवान जिला के एमएलसी विनोद जायसवाल, मुख्य अतिथि विशाल जायसवाल, समाजसेवी अरविंद गुप्ता ने दीप प्रज्वलित ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विशाल गुप्ता ने दिव्यांग सम्मेलन में आये हुए दिव्यांगों को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांग अधिकार अधिनियम को पूरे देश में लागू है। लेकिन बिहार के किसी जिले में यह कानून लागू नहीं हो पायी है। यह अधिनियम

2016 में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार को बढ़ावा देने और उनके रक्षा करने के लिए बनाया गया है। यह कानून 19 अप्रैल 2017 से लागू हुआ । उन्होंने बताया कि इस अधिनियम में दिव्यांगता की श्रेणी बना कर प्रतिशत के अनुसार इनको लाभ देना है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण को तीन प्रतिशत से बढ़ाकर चार प्रतिशत किया गया है। एमएलसी ने कहा विनोद जायसवाल बिहार में दिव्यांग मंत्रालय एवं दिव्यांग आयोग की गठन की मांग की गई है। लेकिन वर्तमान की सरकार की लापरवाई से दिव्यागजनों को समुचित लाभ नहीं मिल रहा है। इन्हों ने कहा अंत्योदय योजना के तहत दिव्यांगो को 35 किलो अनाज वाला राशन कार्ड निर्गत करने की हम लोग मांग करते हैं लेकिन मांग को नीतीश सरकार अनदेखी कर रही है। एमएलसी विनोद जायसवाल ने कहा अगर बिहार में महंगठबंधन की सरकार बनी तो दिव्यांग, विधवा, वृद्ध को समुचित सरकारी लाभ दिया जाएगा। कार्यक्रम में भारी संख्या में दिव्यांग व दिव्यांग संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण कुमार, कवि जी,राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हरदेव प्रसाद, प्रोग्राम मैनेजर यशुपाल, प्रदेश महिला अध्यक्ष अंजू कुमारी, जिला अध्यक्ष राजेश यादव आदि कार्यक्रम में शामिल थे।

रत्नप्पा कुंभार जी की 116वीं जयंती पर भव्य समारोह आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, संविधान निमार्ता और देशभक्त रत्नप्पा भरमप्पा कुंभार जी की 116वीं जयंती के शुभ अवसर पर प्रजापति समाज द्वारा एक भव्य जयंती समारोह का आयोजन छेदीलाल मैरिज हॉल रामपुर परियत रोड जौनपुर में किया गया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे सुनील कुमार (एसडीएम), जिन्होंने रत्नप्पा कुंभार जी के योगदान को याद करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी लालचंद प्रजापति ने की। समारोह में प्रमुख रूप से उपस्थित रहेः पप्पू यादव, महेंद्र चौधरी, शिवशंकर प्रधान, रामपदाथ, डॉ. सिंटू, डॉ. रिंकू, निलेश राज, अरविंद, मुकेश, लवकुश, अखिलेश, संदीप, राकेश, जवाहरलाल खलीफा, अवधेश एडवोकेट, रविशंकर अध्यापक, राजवीर यादव, रमेश, संजय, चंदन महाकाल (पत्रकार) एवं समाज के अन्य सम्मानित सदस्य मौजूद रहे।

12,000 करोड़ ड्रग केस में ऐतिहासिक कार्रवाई: स्नेहा दुबे पंडित

वसई। हाल ही में हुए 12,000 करोड़ के ड्रग तस्करी मामले में पुलिस की अभूतपूर्व कार्रवाई के बाद, वसई विधानसभा की विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित ने मीरा भयंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय का दौरा किया और पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक व उनकी टीम को इस साहसिक कार्य के लिए बधाई दी। पुलिस द्वारा की गई इस ऐतिहासिक कार्रवाई में एक महिला ड्रग तस्कर की गिरफ्तारी की गई, जिसके बाद तेलंगाना राज्य में स्थित एक ड्रग फैक्ट्री पर छापा मारा गया। इस छापेमारी में करीब ?12,000 करोड़ की अवैध ड्रग्स जब्त की गईं और फैक्ट्री को तत्काल सील कर दिया गया। इस कदम ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी और ड्रग माफिया के खिलाफ एक सख्त संदेश दिया। विधायक स्नेहा ताई ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात के दौरान कहा, श्यह कार्रवाई केवल एक कानूनी सफलता नहीं, बल्कि समाज के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके साथ ही, इस दौरे में वसई क्षेत्र से जुड़े कई अहम मुद्दों पर भी चर्चा की गई। विधायक ने इन मुद्दों पर जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वे इन मामलों को लेकर लगातार प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क में रहेंगी। इस सम्मान यात्रा से वसई क्षेत्र की जनता में सुरक्षा को लेकर नया भरोसा जगा है। जनता को उम्मीद है कि विधायक और पुलिस प्रशासन का यह संयुक्त प्रयास वसई को एक अपराध-मुक्त और सुरक्षित क्षेत्र के रूप में स्थापित करेगा।

मैथिली समन्वय समिति नाशिक द्वारा दो दिवसीय अधिवेशन का आयोजन

बिहार एवं मिथिला वासियों को जोड़ने की दिशा में नई पहल

नाशिक। मैथिली समन्वय समिति, नाशिक द्वारा बिहार एवं मिथिला क्षेत्र के प्रवासी नागरिकों को एकजुट करने के उद्देश्य से एक भव्य दो दिवसीय अधिवेशन का आयोजन संदीप यूनिवर्सिटी, नाशिक में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समिति के संरक्षक डॉ. संदीप झा की अध्यक्षता में कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मुंबई और महाराष्ट्र क्षेत्र में बसे बिहार एवं मिथिला के लोगों को एक मंच पर लाकर सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठाना था। अधिवेशन में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि कैसे प्रवासी बिहारियों को रोजगार, व्यवसाय एवं अन्य संसाधनों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। इस आयोजन में बिहार के कई प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं समाजसेवी मौजूद रहे जिनमें प्रमुख रूप से धनंजय झा, गोविंद झा, राजेश झा, राकेश, जय माधव प्रेमचंद, राजकुमार, पंकज, नीलेश, इंदु झा, अंगद, प्रमोद सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल थे। सभी ने मिलकर अपने अनुभवों और सुझावों के माध्यम से समिति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में आगामी समय में आयोजित होने वाले रोजगार मेले और एक नेशनल कॉन्फ्रेंस की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई। यह तय किया गया कि इन आयोजनों के माध्यम से बिहार और मिथिला के युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराए जाएंगे, साथ ही उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाएगा। मैथिली समन्वय समिति के इस प्रयास की व्यापक सराहना की जा रही है, जो प्रवासी बिहारियों के बीच एकजुटता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूती प्रदान करता है।

शहीद सम्मान भवन उद्घाटन कार्यक्रम के सफलता पर सांसद ने दी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज बिहार के सीवान जिला अंतर्गत बंगरा में सूबे के उपमुख्यमंत्री के आगमन होने और शाहिद सम्मान भवन के उद्घाटन के सफलता पूर्वक संपन्न होने पर महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने स्थानीय लोगों व अनुमंडल प्रशासन को बधाई दी। बंगरा स्थित ई सुगेंद्र सिंह के निवास पर प्रेस वार्ता की। कहा सुगेंद्र बाबू कार्यक्रम की तैयारी और स्वागत समिति के अध्यक्ष होने के नाते अपने जिम्मेवारियों को बखूमी निभाया इनके पूरे टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी। सांसद ने कहा कार्यक्रम के पूरे दिन बारिश ने भले थोड़ा परेशान की , बावजूद इसके हमारे मुख्य अतिथि सूबे के उपमुख्यमंत्री बिना हिचक के शाहिद सम्मान भवन के उद्घाटन में भाग लेकर महाराजगंज की जनता का भी मान सम्मान बढ़ाया। उनका महाराजगंज में आगमन महाराजगंज के लिए गर्व की बात है। मौके पर ई सुगेंद्र सिंह, बीजेपी के नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, झबलू सिंह, पवन कुमार गुप्ता,आत्मा कुमार सिंह, राजमोहन उपाध्याय,त्रिपुरारी शरण सिंह, अजय कुमार सिंह उपस्थित थे।

हिंदी और भारतीय भाषाएँ प्रतिस्पर्धी नहीं, एक-दूसरे की पूरक हैं: शाह

गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने हिंदी दिवस 2025 के अवसर पर गुजरात की राजधानी गांधीनगर में आयोजित पाँचवे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि यह स्पष्ट संदेश दिया कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच कोई स्पर्धा नहीं है, वे एक-दूसरे की पूरक हैं। इतिहास गवाह है कि गुजराती होते हुए भी स्वामी दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और के. एम. मुंशी जैसे विचारकों ने हिंदी को अपनाकर इसके प्रचार-प्रसार में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले पाँच वर्षों से राजभाषा सम्मेलन देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित कर हिंदी और अन्य भाषाओं के बीच संवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे नई ऊर्जा, दृष्टि और प्रेरणा मिल रही है। विभिन्न राज्यों में भारतीय भाषाओं के बीच संवाद स्थापित करने के लिए चल रही पहलों ने व्यापार, शिक्षा और प्रशासन के क्षेत्र में भाषा आधारित संपर्क को सहज बनाया है। बीते वर्षों में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को अभूतपूर्व बल मिला है। शिक्षा से लेकर प्रशासन तक, हर क्षेत्र में मातृभाषा के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। खएए, ठएएळ, वत्रक्ष जैसी प्रतियोगी परीक्षाएँ अब 12 भारतीय भाषाओं में आयोजित हो रही हैं। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भर्ती परीक्षाओं में भी मातृभाषा को प्राथमिकता दी जा रही है। लाखों कर्मचारियों को हिंदी में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शाह ने स्पष्ट किया कि हिंदी को केवल बोलचाल या प्रशासन की भाषा तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे विज्ञान, तकनीक, न्याय, पुलिसिंग और अन्य आधुनिक क्षेत्रों की भाषा के रूप में विकसित करना आवश्यक है। सभी कामकाज यदि भारतीय भाषाओं में हों तो नागरिकों से संपर्क सरल होता है और प्रशासन अधिक सुलभ बनता है।

जेसीआई समाज में जिम्मेदार नागरिक बनाने का कार्य करती है: मनोरमा मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की सबसे प्राचीन सामाजिक संस्था जेसीआई जौनपुर ने अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संस्था के पिलर्स और पूर्व अध्यक्षों के सम्मान में महान दिवस का आयोजन मंगलम लॉन मियांपुर में किया, इस अवसर पर संस्था ने अपने सभी पूर्व अध्यक्षों को ससम्मान आमंत्रित किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती मनोरमा मौर्य अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर, विशिष्ट अतिथि क्रमशः मनोज गुप्ता समाजसेवी,राधेरमण जायसवाल पूर्व मंडलाध्यक्ष, डॉ.संदीप पांडे मंडल अधिकारी रहे सभी अतिथियों के द्वारा दीप प्रजलित कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। जेसीरेट सचिव सुधा जायसवाल द्वारा जेसीआई आस्था पाठ किया गया संस्था अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव और जेसीरेट चेयरपर्सन मीनू श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से उपस्थित सभी पूर्व अध्यक्षों को अंगवस्त्रम, मोती की माला और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि मनोरमा मौर्य ने कहा कि जेसीआई संस्था जिम्मेदार नागरिक बनाने का काम करती है और जेसीआई द्वारा किए गए सभी कार्यों की प्रशंसा किया, विशिष्ट अतिथि मनोज गुप्ता ने जेसीआई संस्था के बारे में बताते हुए कहा कि संस्था ट्रेनिंग के माध्यम से लोगों के व्यक्तित्व का विकास करती है । उन्होंने संस्था को हर सहयोग करने का वादा किया पूर्व मंडल अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्था अपने पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ जनों का सम्मान करते हुए लोगों को अपने अभिभावकों का सम्मान करते रहने का संदेश देती है तथा उपस्थित सभी पूर्व अध्यक्ष से प्रत्येक वर्ष कम से कम एक नए सदस्य को संस्था से जोड़ने का आह्वान किया। मंडल अधिकारी डॉक्टर संदीप पांडे ने संस्था के पूर्व अध्यक्ष को संस्था का नींव बताते हुए सभी को संस्था के प्रति निस्वार्थ भाव से सहयोग करने का निवेदन किया। चेयरमैन ताहिर कादरी सोनू और को-चेयरमैन अंजनी प्रजापति ने सदन के समक्ष साप्ताहिक रिपोर्ट पेश की जिसका सभी लोगों ने स्वागत किया साथ ही साथ जेसीआई सप्ताह में संपन्न हुए। सभी कार्यक्रमों के कार्यक्रम संयोजको को भी अवार्ड देकर के सम्मानित किया गया इस अवसर पर का वादा किया।

इस भव्य कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष क्रमशः चंद्र मोहन वर्मा, सुनीत श्रीवास्तव,सुरेश चंद्र गुप्ता, अरुण त्रिपाठी,डॉक्टर मदन मोहन वर्मा,शकील अहमद,डॉ अजीत कपूर, एस.एम.वर्मा,नर्वदेश्वर के सरवानी,राधेरमण जायसवाल,कृष्ण कुमार जायसवाल,रत्नेश गुप्ता, शशांक सिंह रानू,राकेश जायसवाल,विवेक सेठी ,आलोक सेठ,संतोष अग्रहरि,संजय गुप्ता,धर्मेंद्र सेठ,डॉ.संदीप पांडे , डॉ.दिलीप सिंह,आशुतोष जायसवाल व कार्यक्रम संयोजक क्रमशः राजकुमार जायसवाल, श्रेष सेठ, प्रदीप सिंह ,रामकृपाल जायसवाल, रजत जायसवाल, राज साहू, अभिषेक, जायसवाल,शिवेंद्र सेठ, रतन सिकरी,अजय गुप्ता पीडब्ल्यूडी, और सौरभ बरनवाल, डॉ प्रमोद सैनी संतोष अग्रहरि मेडिकल, एवं सोनी जायसवाल,मंजू जायसवाल, अर्चना सिंह, किरण सेठ ,सीमा चकवाल, रविंदर कौर, गीता देवी,स्वर्णिमा जायसवाल, वंदना गुप्ता , सीमा अग्रहरि,जूही बर्नवाल, श्रुति साहू एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे कार्यक्रम के समापन के अवसर पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया शानदार कार्यक्रम के कार्यक्रम संयोजक अभिषेक जायसवाल एवं राज साहू थे, कार्यक्रम का सुंदर संचालन हफिज शाह के द्वारा किया गया कार्यक्रम संयोजक राज

भाजपा के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर धुरी का जन्मदिन मनाया गया

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व सरपंच, पूर्व नगरसेवक, लोकतंत्र सेनानी और जनसेवा के पर्याय बन चुके चंद्रशेखर धुरी का जन्मदिन वसई रोड पश्चिम स्थित उन्नती हॉल में भव्य रूप से मनाया गया। इस शुभ अवसर पर धुरी के परिजन, भाजपा एवं अन्य दलों के कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नालासोपारा के विधायक राजन नायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। साथ ही मंच पर भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रह्लाद पाटील, महामंत्री मनोज बारोट, विधानसभा प्रमुख विनायक निकम, वसंत धुरी, पूर्व विधानसभा प्रमुख मनोज पाटील, अभय कक्कड़, मेथ्यू कोलासो, सायबा मोरे, वरिष्ठ नेता सुधाकर भानुशाली, पूर्व नगरसेवक किरण भोईर, नगरपालिका आयुक्त नंदकुमार महाराज, व्यापारी प्रमुख सुनील तरैया सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। धुरी के परिवार से उनकी धर्मपत्नी मंगला धुरी, पुत्र श्रेयस धुरी, एडवोकेट साधना धुरी, सुनील धुरी, सीमा धुरी, विवेक धुरी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर ने किया, जबकि संपूर्ण व्यवस्था लालजी कनोजिया के नेतृत्व में की गई।

ओडिसी इलेक्ट्रिक ने दोगुनी की मौजूदगी: सिर्फ एक साल में पहुँची करीब 300 पिनकोड तक

मुंबई। भारत के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार की अग्रणी कंपनी ओडिसी इलेक्ट्रिक ने सिर्फ 12 महीनों में अपनी रिटेल मौजूदगी को दोगुना कर लिया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 150 से अधिक शहरों से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही तक लगभग 300 पिनकोड तक अपनी पहुँच बना ली है। यह विस्तार ओडिसी इलेक्ट्रिक की पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को आम बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और इसे देश के प्रमुख ईवी टू-व्हीलर ब्रांड्स में मजबूत स्थान दिलाता है। ओडिसी इलेक्ट्रिक आज 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मौजूद है। इसमें बड़े शहरों के साथ-साथ टियर-2 और टियर-3 शहर भी शामिल हैं। इस बढ़ते नेटवर्क से ग्राहकों को इलेक्ट्रिक गाड़ियों तक आसान पहुँच, बेहतर सर्विस और कंपनी के स्कूटरों को तेजी से अपनाने में मदद मिलती है। खासकर ऐसे समय में जब देश का ईवी उद्योग साल दर साल तिहाई अंकों में वृद्धि कर रहा है। इस विस्तार के तहत, कंपनी ने हाल ही में ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में नए डीलरशिप जोड़े हैं। हर नया आउटलेट ओडिसी इलेक्ट्रिक का पूरा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो पेश करता है, जिसमें शहरी यात्रियों और पहली बार ईवी लेने वालों के लिए लो-स्पीड और हाई-स्पीड दोनों वैरिएंट्स उपलब्ध हैं।

मलाबार ग्रुप ने डब्ल्यूएचओ इंडिया के साथ शुरू की नर्चरिंग बीगिनिंग्स प्रोजेक्ट

पटना। मलाबार ग्रुप ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को आगे बढ़ाते हुए डब्ल्यूएचओ इंडिया के साथ मिलकर एक नया सीएसआर प्रोजेक्ट नर्चरिंग बीगिनिंग्स शुरू किया है. इस प्रोजेक्ट का मकसद शहरों की गरीब बस्तियों में रहने वाली मांओं और बच्चों को बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं देना है. साथ ही इसका उद्देश्य बच्चों के मानसिक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना भी है इसके लिए मलाबार ग्रुप के कोझिकोड, इस मौके पर डब्ल्यूएचओ इंडिया के प्रतिनिधि डॉ रोडेरिको एच ओफ्रिन, डब्ल्यूएचओ के नेशनल प्रोफेशनल ऑफिसर डॉ बी मुहम्मद अशील, मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर (इंडिया ऑपरेशंस) अशर ओ, ग्रुप एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर निशाद एके, एनजीओ थनल के चेयरमैन डॉ वी इदरीस, मलाबार ग्रुप के सीनियर डायरेक्टर्स और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे.

नेपाल में तख्तापलट के पीछे भी अमेरिका का हाथ: वॉशिंगटन ने लिखी Gen Z स्क्रिप्ट, सुशीला कार्की की नियुक्ति भी गेम का हिस्सा!

काठमांडु। नेपाल इन दिनों बड़े राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री केपी ओली को अचानक पद से इस्तीफा देना पड़ा और सेना के समर्थन से सुशीला कार्की की अंतरिम सरकार बनी। इस तेज घटनाक्रम ने शक पैदा किया है कि कहीं इसके पीछे अमेरिका की गुप्त भूमिका तो नहीं। नेपाल में अतीत में भी अमेरिका पर हस्तक्षेप के आरोप लगते रहे हैं। नेपाल के इतिहास और ताजा घटनाओं को देखकर कई राजनीतिक गलियारों में चर्चा हैं कि सत्ता परिवर्तन की Gen Z स्क्रिप्ट वॉशिंगटन ने ही लिखी।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली को जबरदस्त विरोध प्रदर्शनों के बीच केवल दो दिन में पद छोड़ना पड़ा। यह प्रदर्शन सरकार द्वारा लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने के बाद भड़के और देखते-ही-देखते हिंसक हो गए। इस बवाल में 70 लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग घायल हुए हैं। यह आंदोलन मुख्य रूप से नेपाल

के Gen Z(18 से 28 वर्ष) युवाओं ने चलाया। उनका आरोप था कि ओली सरकार ने ₹अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता₹ का गला घोंट दिया है और सेना का इस्तेमाल नागरिकों के खिलाफ किया जा रहा है। गुस्सा काठमांडू से फैलकर बड़े शहरों तक पहुंचा और हालात बेकाबू हो गए।

भारतीय सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी मेजर जनरल जीडी बख्शी का मानना है कि ओली सरकार का अचानक गिरना केवल आंतरिक विरोध का नतीजा नहीं हो सकता। उनका तर्क है कि नेपाल में पहले भी उकअ की छाप दिख चुकी है। एक्सपर्टस का मानना है कि शीत युद्ध के दौरान अमेरिका ने नेपाल को चीन के खिलाफ अपने गुप्त अभियानों का हिस्सा बनाया। खुफिया जानकारी इकट्ठा करना, दुष्प्रचार फैलाना और अर्धसैनिक गतिविधियां चलाना-ये सब अमेरिका की रणनीति का हिस्सा थे। 1971 में निक्सन सरकार के गुप्त दस्तावेजों से इस बात का खुलासा हुआ था। 1960 के दशक में अमेरिका ने नेपाल में बसे तिब्बती शरणार्थियों को हथियार और ट्रेनिंग दी। इससे मस्टैंग गुरिल्ला बल बना, जो चीन विरोधी गतिविधियों में लगा रहा। लेकिन जब अमेरिका और चीन के रिश्ते सुधरे, तो अमेरिका ने इस बल का साथ छोड़ दिया। नतीजा यह हुआ कि नेपाल को कूटनीतिक परेशानियां झेलनी पड़ीं।

2001 में अमेरिका पर हमले के बाद उसने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध के नाम पर नेपाल में अपनी मौजूदगी बढ़ाई। माओवादी विद्रोहियों को आतंकवादी घोषित किया गया और नेपाल को हजारों ट-16 राइफलें और सैन्य मदद दी गई। अमेरिकी दूतावास में रक्षा सहयोग दफ्तर भी खोला गया। 2005 तक अमेरिकी सहयोग से नेपाली सेना का आकार लगभग दोगुना हो गया था। बख्शी का कहना है कि यह आंदोलन भी उसी प्ले-बुक का हिस्सा है कि पहले जनता को भड़काना, फिर सरकार को कमजोर करना और अंत में सत्ता परिवर्तन।

ओली के इस्तीफे के बाद सेना ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का समर्थन किया और उन्हें अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया।

गुमशुदा की तलाश

बलिराज यादव इगतपुरी महिंद्रा गेट से 30 अगस्त को सुबह 10:00 बजे से निकले हुए हैं। वह उत्तर प्रदेश मिजार्पुर जिले केग्राम सभा बामी लहानपुर के रहने वाले हैं। आज तक उनका कोई पता नहीं चल रहा है। स्थानी थाना पुलिस स्टेशन इगतपुरी को 3/9/2025 को सूचित किया गया है। आज उनका 17 दिन हो गए हैं स्थानी पुलिस स्टेशन कुछ जवाब नहीं दे रही है। मिर्जापुर से उनके परिवार के लोग आकर नासिक और इगतपुरी में परेशान हो रहे हैं। शासन प्रशासन को सूचना देने के बाद भी कोई सुनाई नहीं मिला। कृपया इसकी जानकारी कहीं भी किसी को हो तो सूचना देने की कृपा करें। मोबाइल नंबर- 93729 40767 रामलाल यादव।

सोशल मीडिया पर जाति विशेष पर रील बना कर पोस्ट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा सोशल मीडिया पर जाति विशेष पर रील बना कर पोस्ट करने वाले अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार। प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव थाना सरायख्वाजा के कुशल नेतृत्व में थाना पुलिस टीम द्वारा सोशल मीडिया के प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर जाति विशेष पर रील बनाकर पोस्ट करने वाले अभियुक्त आशीष गौतम पुत्र गुलाब गौतम निवासी खजुरा थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को उसके घर से गिरफ्तार किया गया, अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सड़क हादसे में युवती की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के परशुपुर में को दोपहर में ट्रक की चपेट में आने से युवती की मौत हो गई। इसी कोतवाली क्षेत्र के खरुवांवा गांव निवासी बृजलाल की 20 वर्षीया पुत्री नेहा बाइक से दवा लेने के लिए मछली शहर जा रही थी। जब बाइक परशुपुर के पास से गुजर रही थी उसी समय एक ट्रक की चपेट में आ गई जिससे उसकी मौके पर भी मौत हो गई। देखते ही देखते घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई।

प्रवीण प्रजापति बने मिस्टर महाराष्ट्र स्टार फेस 2025

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मॉडलिंग आइकॉन एजेंसी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित प्रतियोगिता स्टार फेस ऑफ इंडिया के फाइनल ग्रैंड फिनाले में प्रवीण प्रजापति ने मिस्टर महाराष्ट्र स्टार फेस 2025 का खिताब अपने नाम किया। इस प्रतिष्ठित आयोजन में देशभर से हजारों प्रतिभाशाली बच्चों और युवाओं ने हिस्सा लिया, लेकिन प्रवीण ने अपनी कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास और स्टाइल से सभी को पीछे छोड़ते हुए यह गौरव हासिल किया।

यह गौरवशाली क्षण मध्य प्रदेश के इंदौर में 12 सितंबर से 14 सितंबर 2025 तक आयोजित उक्त कार्यक्रम में सिर्फ प्रवीण के लिए ही नहीं, बल्कि उनके परिवार, शुभचिंतकों और पूरे महाराष्ट्र के लिए गर्व का विषय है। उनकी इस सफलता पर परिजनों और चाहने वालों ने बधाइयों की झड़ी लगा दी है। गौरतलब है कि इससे पहले 2015 में रोहित खंडेलवाल ने मिस्टर इंडिया का खिताब जीता था और 2016 में वह मिस्टर वर्ल्ड भी बने थे। रोहित खंडेलवाल इस पेजेंट शो को जज करने आए थे। रोहित खंडेलवाल के साथ, जज जगदीश पुरोहित, जो संस्थापक प्रसंग कैटरर्स और निदेशक स्पंदनफोक के थे, और प्रखर शर्मा, मॉडलिंग आइकन इंडिया के संस्थापक भी थे। अब प्रवीण प्रजापति ने मिस्टर महाराष्ट्र 2025 स्टारफेस का ताज जीतकर एक नई प्रेरणा स्थापित की है। मॉडलिंग आइकॉन एजेंसी द्वारा यह आयोजन युवाओं को मंच देने और उनके टैलेंट को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से किया गया था। ग्रैंड फिनाले में निर्णायक मंडल ने टैलेंट, ग्रूमिंग, कॉन्फिडेंस और प्रेजेंटेशन के आधार पर विजेताओं का चयन किया। प्रवीण प्रजापति की यह उपलब्धि उन्हें भविष्य में मॉडलिंग और अभिनय के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। अब सभी की निगाहें उनके अगले कदम की ओर हैं।

डॉन बॉस्को विद्यालय में हिंदी दिवस मनाया गया

ठाणे। डॉन बॉस्को स्कूल सागांव डोबिवली (पूर्व) में सोमवार दिनांक 15 सितंबर 2025 को हिंदी दिवस समारोह बच्चों के सानिध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में साहित्यकार श्रीमती सत्यभामा सिंह उपस्थित थी। समारोह की शुभारंभ मुख्याध्यापिका श्रीमती रेनी ब्रा इट तथा वांङ्मय मंडल कार्यकारिणी शिक्षक गणों के हाथों दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती पूजन से हुई। इस उपलक्ष्य में कक्षा पहली से लेकर कक्षा नौवीं तक के छात्रों ने विविध कार्यक्रम प्रस्तुत कर हिंदी दिवस समारोह के सौंदर्य को और भी निखारा। विविध कवि, कवयित्रियों की वेशभूषा में पहली- दूसरी कक्षा के नन्हें मुन्नें छात्रों ने साहित्य के प्रति अपना स्नेह जताया तीसरी तथा पांचवी कक्षा के छात्रों ने कविता और भाषण द्वारा हिंदी भाषा के प्रति अपने प्रेम की झलक दिखाई। नृत्य के माध्यम से कक्षा छठवीं -सातवीं के छात्रों ने अपनी कला की प्रस्तुति दी। हिंदी दिवस के इस अवसर पर हिंदी भाषा का महत्व बताने की लघु नाटिका कक्षा सातवीं और नौवीं के छात्रों ने प्रस्तुत करते हुये हिंदी दिवस समारोह में चार चॉद लगा दिया।अध्यक्षीय भाषण में श्रीमती सत्यभामा सिंह ने छात्रों के अभिनय की प्रशंसा की तथा हिन्दी को भली-भांति सिखने और समझने की महत्ता को समझाया। विद्यालय की मुख्याध्यापिका श्रीमती रेनी ब्राईट नें छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए मनोबल दुगुना बढ़ाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय मंडल से संबंधित सभी शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ समारोह संपन्न हुआ।

माटुंगा निवासी फूल चंद मिश्रा की नतिनी आतिशी दुबे का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई (उत्तर शक्ति)। माटुंगा पूर्व भट्ट भूवन निवासी फूल चंद मिश्रा की नतिनी का जन्मदिन पर केक काट कर बड़े धूमधाम से मनाया गया। उस शुभ अवसर परिवार सभी सदस्य मौजूद थे। बड़े नाना दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, बड़ी नानी लीलावती मिश्रा, नानी सीमा मिश्रा, मां रश्मि आंनद दुबे, मामा प्रशान्त मिश्रा, अरविंद मिश्रा, धीरेन्द्र मिश्रा, निरज मिश्रा, दिशा मिश्रा, कियोशा मिश्रा, मामी रोशनी मिश्रा , रंजू मिश्रा , शैली मिश्रा सहित कई लोगों ने बिटिया को आशीर्वाद प्रदान किया और उज्जवल भविष्य की कामना किया।

जौनपुर में मासूम बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, गांव में मातम

-रियाजुल हक

रामपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के नेवादा गांव में मंगलवार की सुबह एक 5 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई, जिससे गांव में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी दिलीप तिवारी की पत्नी बच्चों को घर में छोड़कर सुबह दैनिक क्रिया के लिए बाहर गई थी। जब वह वापस लौटीं, तो अपनी लगभग 5 साल की बेटी अंशिका को घर में नहीं पाया। परिजनों ने घंटों तक अगल-बगल के घरों और गांव में बच्ची की तलाश की, लेकिन जब उसका पता नहीं चला, तो उन्होंने 112 नंबर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घर पहुंचकर खोजबीन की, तो बच्ची एक कमरे में तख्त के नीचे पाई गई। आशंका है कि बच्ची जिस तख्त के नीचे गिरी थी, उसी के पास एक बिजली का तार कटा हुआ था, जिसकी चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। अंशिका अपने एक भाई और एक बहन में सबसे बड़ी थी। सूचना पर पहुंची रामपुर पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बच्ची की मौत से अगल-बगल के घरों में भी मातम छाया हुआ है।

खुटहन पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप सोनी पुत्र रामजियावन सोनी निवासी ग्राम इमामपुर थाना खुटहन के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार आरोपी ने वादिनी को बहला-फुसलाकर करीब चार वर्षों तक शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए और पति-पत्नी की तरह साथ रहा। जब वादिनी ने विवाह की बात की तो आरोपी ने शादी से साफ इंकार कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की लिखित तहरीर पर थाना खुटहन में मुकदमा अपराध संख्या 269/2025 धारा 69, 351(3) बीएनएस में पंजीकृत किया गया था। पुलिस टीम को मुखबिर खास से सूचना मिली कि आरोपी बस स्टैंड खुटहन पर मौजूद है। इस पर उपनिरीक्षक सत्येन्द्र नारायण सिंह हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी को गिरफ्तार कर थाने लाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की।

राजपूताना परिवार फाउंडेशन का हिन्दी दिवस संपन्न

-प्रेम चंद मिश्रा

वसई (उत्तरशक्ति)। रविवार को ददन सिंह चौहान द्वारा संस्थापित राजपूताना परिवार फाउंडेशन द्वारा वसई विरार नालासोपारा के ब्रॉडवे हॉल में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर परिचर्चा एवं भव्य हिन्दी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया. राष्ट्रीय स्तर के वीर रस के विख्यात कवि राम भदावर ने अपनी ओजस्वी वाणी से चित्तौड किले में सोलह हजार क्षत्राणीयों द्वारा किए गए सामुहिक जोहार पर कविता सुनाकर सभी श्रोताओं को रोमांचित किया उनके प्रस्तुती से श्रोताओं की भुजाएं फड़कने लगी. पाश्चात्य संस्कृती का अंधानुकरण तथा लव जेहाद आदि प्रासंगिक विषयों पर भी उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से तंज कसा. अनिकेत सिंह, सत्यभामा सिंह, रीमा सिंह, किरण तिवारी, अन्नपूर्णा गुप्ता, विनय कुमार शर्मा, शिवकुमार सिंह, विनय शर्मा दीप्र आदि कवि एवं कवियत्रीयों ने भी अपनी उत्कृष्ट कविताएं सुनाकर संपूर्ण सभागार में उत्साह का माहौल बनाया. इस आयोजन के मुख्य अतिथि नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने सभी को संबोधित करते हुए कहा हिन्दी भाषियों का मैं विशेष रूप से आभारी हूँ क्योंकि मेरी जीत में हिन्दी भाषियों का बहुत बडा योगदान है तथा वसई तालुका एवं

संपूर्ण पालघर जिले में राजनैतिक परिवर्तन लाने का श्रेय हिन्दी भाषियों को जाता है. उन्होंने हिन्दी भाषियों को आश्वस्त किया के वे हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे. राजपूताना परिवार फाउंडेशन के संस्थापक ददन सिंह ने भारतीय संस्कृती एवं सनातन की रक्षा का आवाहन सभी को किया तथा विधायक से निवेदन किया की वसई विरार महानगर पालिका क्षेत्र में एक साहित्य भवन बनाया जाए जिसके उत्तर में विधायक राजन नाईक ने कहा की बहुत जल्द महानगर पालिका अपने क्षेत्र में भारत भवन का निर्माण करेगी जहां इस प्रकार के सांस्कृतिक, साहित्यिक आदि आयोजन के लिए पर्याप्त सुविधा होगी. फाउंडेशन के मार्गदर्शक डॉ.ओमप्रकाश दुबे ने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाषा के उपयोग का महत्व सभी को समझाते हुए कहा कि हमारे राष्ट्र के किसी भी प्रांत के किसी भी विभाग की किसी भी जिले की मातृभाषा (स्थानीय भाषा) हिन्दी नही है. इस कार्यक्रम में विधायक राजन नाईक के अलावा नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे, भूतपूर्व महापौर रूपेश जाधव, वरिष्ठ भाजपा नेता नवलकिशोर मिश्रा, अमित दुबे, अभय कक्कड, जे.पी.सिंह, पंकज देशमुख,अमरनाथ सिंह, देवराज सिंह,नागेन्द्र तिवारी वरिष्ठ शिवसेना नेता जयप्रकाश सिंह तथा राजेश पाण्डेय, केडी शर्मा, संजय शर्मा, अरुण सिंह, के आर सिंह, आदि मान्यवर उपस्थित हुए. कार्यक्रम को सफल बनाने में फाउंडेशन के अमित सिंह राठौड़, शक्ति सिंह शेखावत, सरवन सिंह सिसोदिया, नरेंद्र सिंह राणावत, महेंद्र सिंह, मुकेश सिंह, अंजू सिंह, नम्रता सिंह, बबीता सिंह, आशा सिंह, सुषमा सिंह, मानसी सिंह, निधि सिंह, नंदन सिंह बिनोद सिंह, किसन सिंह, रामस्नेही ओझा, अरुण सिंह, अश्विन सिंह जाडेजा, जगदीश सिंह जाडेजा, नंदु पवार, ओमप्रकाश पाण्डेय, रवि मिश्रा, किशोर चौहान, बिनोद सिंह, रोहित सिंह आदि इनका सक्रिय योगदान रहा. कार्यक्रम के अंत में ददन सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया. राजपूताना परिवार फाउंडेशन द्वारा व्यवस्था किए गए उत्तम भोजन का आनंद लेते हुए कार्यक्रम विसर्जित हुआ ।

सुशील कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

जौनपुर। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के आह्वान पर भारी संख्या में शिक्षकों द्वारा जिलाध्यक्ष सुशील कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने बताया कि सरकार जान बूझकर शिक्षको को नाकारा , अयोग्य और कामचोर साबित करना चाहती है। पहले तो सरकार ने कम छात्र संख्या के लिए शिक्षको को जिम्मेदार ठहराते हुए विद्यालय बंद कर पद समाप्त करने का कुचक्र रचा और अब टेट की अनिवार्यता से 25/30 के अनुभवी शिक्षकों को अक्षम बताना चाह रही है। यदि सरकार को टेट अनिवार्य करना था तो 15 साल पहले एक्ट लागू होते समय ही कर देना चाहिए था। उस समय शिक्षक परीक्षा आसानी से उत्तीर्ण कर लेता। महामंत्री मनीष सिंह सोमवंशी ने कहा कि ऐसे शिक्षक जो इंटर, बीटीसी है या प्रशिक्षण मुक्त है, या जो न्यूनतम आयु पूरी कर चुके है, वे अब टेट परीक्षा में शामिल ही नहीं हो पाएंगे। कोषाध्यक्ष अच्छेलाल चौधरी ने सरकार से सुप्रीम कोर्ट में रिवीजन दाखिल करने और एन सी टी ए से छूट की सीमा बढ़ाने की बात रखी। प्रदेश संयुक्त मंत्री मंजू पांडेय और मंडल अध्यक्ष डॉक्टर संतोष कुमार तिवारी ने राज्य सरकार को पिछले 4 साल में टेट परीक्षा न कराने और शिक्षकों को गुमराह करने का आरोप लगाया। प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि शीघ्र ही अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में देश भर के लाखों शिक्षक अपनी अस्मिता और जीवन के प्रश्न की रक्षा हेतु देशव्यापी आंदोलन छेड़ेंगे और दिनांक 19.09.25 को पुनः कलेक्ट्रेट में उपस्थित होकर ज्ञापन देने का आह्वान किया। ज्ञापन कार्यक्रम में सीनियर बेसिक संघ के अरुण सिंह यूटा के संजय सिंह, अटेवा के राजेश उपाध्याय, रोहित सिंह, शैलेन्द्र सिंह, संतोष सिंह, राजेश सिंह, अनुज सिंह, राजीव सिंह लोहिया, प्रवीण सिंह ,प्रमोद सिंह ,जितेंद्र उपाध्याय आदि वक्ताओं ने सर्वोच्च न्यायालय में केंद्र सरकार से शिक्षकों का पक्ष रखने की अपील की। ज्ञापन कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष अनिल कुमार सरोज सुईथा , नेमचंद बिंद शाहगंज, महेंद्र कुमार करंजाकला, राम सिंह बदलापुर, विष्णुशंकर सिंह बक्सा, चंद्रप्रकाश मिश्र महराजगंज, मनोज सिंह सुजानगंज, राजेश यादव धमार्पुर, ऋषिपति मिश्रा रामपुर, रुद्रसेन सिंह जलालपुर, समस्त मंत्री कोषाध्यक्ष और पदाधिकारी के साथ साथ जनपदीय पदाधिकारी शैलेश कुमार चतुर्वेदी, अनुपम कुमार, डॉक्टर सुरेश यादव , सुरेश कुमार गौतम, मुकेश श्रीवास्तव, मधुलिका अस्थाना, मिथिलेश द्विवेदी, चतुर्भुज यादव, सतीश चंद मौर्य और डॉक्टर वंदना सरकार, संजू देवी आदि उपस्थित रही।

वाराणसी : दरोगा-वकील मारपीट कांड, डीएम ने गठित की एसआईटी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। रथयात्रा चौराहे पर शनिवार 13 सितंबर की रात वकील शिव प्रताप सिंह और भेलूपुर थाने के दरोगा गोपाल कन्हैया के बीच हुए विवाद और मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना में घायल वकील को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम का गठन कर दिया है। डीएम के आदेश पर बनी एसआईटी में एडीएम सिटी आलोक कुमार को अध्यक्ष बनाया गया है। टीम में एडीसीपी काशी सरवणन टी और एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार शामिल हैं। यह टीम पूरे प्रकरण की जांच कर अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपेगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को कचहरी खुलते ही अधिवक्ताओं ने जिला जज के पोर्टिको में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ता दरोगा की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं।

पुलिस कमिश्नर ने जताई नाराजगी

घटना के बाद पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने थानों और यातायात व्यवस्था के दौरान आम नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतों पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं न केवल अनुचित हैं, बल्कि पुलिस की छवि को धूमिल करती हैं। सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वाहन चेकिंग के दौरान जनता से शालीन और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए।

क्या हुआ था शनिवार रात

जानकारी के मुताबिक, वकील शिव प्रताप सिंह अपनी पत्नी के साथ सोरहिया मेले से दर्शन कर लौट रहे थे। इसी दौरान रथयात्रा चौराहे पर नो-एंट्री को लेकर उनकी दरोगा गोपाल कन्हैया से बहस हो गई। मामला इतना बढ़ा कि हाथापाई और मारपीट तक पहुंच गया। इसमें वकील को गंभीर चोट आई। फिलहाल, पुलिस ने दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिवक्ता समुदाय दरोगा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहा है।

पी. एन. दोशी महाविद्यालय में हिन्दी दिवस पर त्रिदिवसीय रचनात्मक महोत्सव आयोजित

मुंबई। श्रीमती पी. एन. दोशी महिला महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में त्रिदिवसीय कार्यक्रम अभिव्यक्ति 2025 का आयोजन 12, 13 और 15 सितंबर को किया गया। इस अवसर पर विविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के प्रथम दिन की शुरूआत सस्वर कविता गायन प्रतियोगिता से हुई, जिसमें छात्रों ने विभिन्न रचनाकारों की कविताओं का भावपूर्ण और प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया। प्रतियोगिता का संचालन विभाग की छात्राएँ एकता सूर्यभान एवं प्रगति वर्मा ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. विनोद झाल्टे और हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. वेदप्रकाश दुबे शामिल रहे, जिन्होंने विजेताओं का चयन किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन रंगोली प्रतियोगिता, स्वरचित काव्य पठन और आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने हिन्दी दिवस विषय पर आकर्षक एवं सृजनात्मक रंगोलियाँ प्रस्तुत कीं। कुछ प्रतिभागियों ने समाचार पत्र जैसे वेस्ट मटेरियल का प्रयोग कर नवाचार का परिचय दिया। स्वरचित काव्य पठन और आशु भाषण प्रतियोगिताओं में छात्रों ने आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ अपने विचार रखे। संचालन विभाग की छात्राएँ प्रतिभा नायक एवं नैंसी गुप्ता ने किया। निर्णायक मंडल में अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. सचिन भूम्बे, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. वेदप्रकाश दुबे तथा सहायक प्राध्यापिका ज्योति सिंह शामिल रहीं। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर समापन सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हमारा महानगर समाचार पत्र के स्थानीय संपादक एवं मुंबई हिन्दी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य राधेश्याम दुबे उपस्थित रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में विश्व में हिन्दी के महत्व, भाषा के बदलते स्वरूप, युवा पीढ़ी की भाषा, भारतीय भाषाओं की विविधता तथा पत्रकारिता की भाषा पर गहन विचार व्यक्त किए। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. आशा मेनन ने की। उपप्राचार्या प्रो. मधुमिता बंधोपाध्याय ने आशीर्वचन दिया तथा विभागाध्यक्ष डॉ. वेदप्रकाश दुबे ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की। प्रथम दो दिनों की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विभाग की सहायक प्राध्यापिकाएँ डॉ. कंचन यादव एवं गीतांजलि त्रिपाठी ने किया तथा आभार प्रदर्शन ज्योति सिंह ने किया। समारोह में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

भाजपा के हाथों में देश की सरकार रही देश फिर गुलाम होगा: स्वामी प्रसाद मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संविधान सम्मान व जनहित हुंकार यात्रा के तहत स्वामी प्रसाद मौर्य जनपद जौनपुर के विभिन्न क्षेत्रों में जोरदार भेलारा सुल्तानपुर, शाहगंज ,खुटहन ,बटाऊवीर ,बदलापुर, गौरा बाद शाहपुर, तेजी बाजार, मछली शहर केराकत , जौनपुर दौरा कर अपने कार्यकताओं को सम्बोधित किया। अडानी को आडे हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी देश के संसाधनों को पूँजी पतियो के हवाले कर दे रहे हैं , जिससे देश को फिर से गुलामी की ओर बढ़ने को मजबूर कर रहे हैं। शिक्षा रोजगार महंगायी, भ्रष्टाचार मुद्दे पर जोरदार भाजपा सरकार को घेरा। जगह जगह कार्यकताओं ने स्वामी प्रसाद मौर्य का जोरदार स्वागत किया ,स्वागत की कड़ी में जौनपुर जिले के शाहगंज विधानसभा के खुटहन बाजार में बड़ी संख्या में नौजवान कार्यकताओं विनोद मौर्य ,संजय मौर्य , सचिन मौर्य ,प्रकाश, फुलचंद मौर्य सहित सैकड़ों कार्यकताओं ने अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य को तथागत बुद्ध की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। बदलापुर में राम लखन मौर्य की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकताओं ने फूलो की माला पहनाकर स्वामी प्रसाद जी का स्वागत किया ।

छात्रों को खसरा और रूबेला से बचाने के लिए एक विशेष टीकाकरण अभियान शुरू

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के सभी पात्र छात्रों को 15 सितंबर से 30 सितंबर, 2025 तक खसरा और रूबेला का टीका दिया जाएगा। खसरा एक पैरामाइक्सोवायरस वायरस के कारण होता है, जबकि रूबेला (जर्मन खसरा) बच्चों में रूबेला वायरस नामक वायरस के कारण होता है। दोनों अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग हैं। वे हवाई बूंदों के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलते हैं; खासकर खांसने या छींकने पर। बुखार और दाने दोनों बीमारियों के सामान्य लक्षण हैं। इस टीकाकरण अभियान को लागू करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के तहत स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से विशेष टीमों की नियुक्ति की गई है। इन टीमों में चिकित्सा अधिकारी, नर्स, दाइयां, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता आदि शामिल होंगे। इस बीमारी की जटिलताओं में अंधापन, मस्तिष्क ज्वर, दस्त, कान और श्वसन तंत्र में संक्रमण (निमोनिया) शामिल हैं। रूबेला गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। हालाँकि इस बीमारी का कोई विशिष्ट उपचार नहीं है, लेकिन एम.आर. (एमआर) टीकाकरण सबसे प्रभावी बचाव है। खसरा रूबेला टीकाकरण दर 95% से अधिक प्राप्त करना एम.आर. (एमआर) टीके की दो खुराकों के बीच ड्रॉपआउट दर को शून्य तक कम करना। यही इस अभियान के उद्देश्य हैं।

इस अभियान की सफलता का अर्थ है शहर के हर बच्चे के लिए एक सुरक्षित भविष्य का निर्माण। कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे, इसके लिए अभिभावक, शिक्षक और ग्रामीणजन सहयोग करें और इस अभियान को सफल बनाएँ। माननीय आयुक्त एवं प्रशासन मीरा भायंदर महानगरपालिका उनसे अपील कर रही है।